1. भाषा, लिपि और व्याकरण

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) भाषा शब्द की उत्पत्ति कैसे हुई है?

भाषा शब्द की उत्पत्ति संस्कृत की भाष धातु से हुई है।

(ख) मातृभाषा किसे कहते हैं?

हम बचपन में अपने घर-परिवार में जिस भाषा को बोलना सीखते हैं, उसे मातृभाषा कहते हैं।

(ग) हिंदी को राजभाषा कब घोषित किया गया?

14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया।

(घ) लिपि क्या होती है?

मुख से निकली ध्वनियों को लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।

(ङ) व्याकरण की क्या उपयोगिता है?

व्याकरण द्वारा भाषा के नियमों को जाना जाता है। व्याकरण की उपयोगिता भाषा के सही और समुचित प्रयोग के लिए अत्यंत आवश्यक है।

2. कोष्ठक से उचित शब्द छाँटकर रिक्त स्थान भरिए।

(क) संविधान के अनुसार हिंदी भारत की **राजभाषा** है। (राजभाषा, राष्ट्रभाषा)

(ख) मूल रूप से व्याकरण के **तीन** अंग हैं। (दो, तीन, चार)

(ग) संस्कृत की लिपि का नाम **देवनागरी** है। (गुरमुखी, देवनागरी, रोमन)

(घ) भारतीय संविधान में **बाइस** भाषाओं को मान्यता है। (सत्ताइस, बाइस, दस)

3. कथनों के आगे सही (✓) अथवा गलत (✗) का चिह्न लगाइए।

(क) भाषा विचारों-भावों के आदान-प्रदान का साधन है। ✓

(ख) बोलने-सुनने में सक्षम लोग सांकेतिक भाषा का ही इस्तेमाल करते हैं। ✗

(ग) सरकार के काम-काज की भाषा मातृभाषा कहलाती है। ✗

(घ) हर भाषा की अपनी लिपि होती है। ✓

(ङ) मानक भाषा द्वारा भाषा में भिन्नता लाई जाती है। ✗

(च) व्याकरण भाषा के नियमों का ज्ञान कराता है। ✓

बहुविकल्पी प्रश्न

4. उचित विकल्प चुनिए।

(क) भाषा के शुद्ध रूप के नियम कौन बताता है?

(i) लिपि ☐ (ii) व्याकरण ☑

(iii) भाषा के रूप ☐ (iv) वाक्य ☐

(ख) लिपि का अर्थ है –

(i) ध्वनि चिह्न ☑ (ii) लेखन कला ☐

(iii) वर्णों का क्रम ☐ (iv) भाषा नियम ☐

(ग) किस भाषा की लिपि देवनागरी नहीं है?

(i) मराठी ☐ (ii) नेपाली ☐ (iii) हिंदी ☐ (iv) असमिया ☑

रचनात्मक गतिविधि

वर्ग पहेली में से भारत के विभिन्न राज्यों की भाषाएँ ढूँढ़कर लिखिए। साथ में उसके राज्य का नाम भी लिखिए।

राज्य	भाषा	राज्य	भाषा
केरल	मलयालम	उत्तर प्रदेश	हिंदी
महाराष्ट्र	मराठी	नागालैंड	संथाली
असम	असमिया, बोडो	गोवा	कोंकणी
गुजरात	सिंधी, गुजराती	उत्तराखंड	हिंदी
मणिपुर	मणिपुरी	कर्नाटक	कन्नड़
बिहार	मैथिली	हिमाचल प्रदेश	हिंदी
पश्चिम बंगाल	बाँग्ला	आंध्र प्रदेश	तेलुगु
कश्मीर	उर्दू, कश्मीरी, डोगरी	झारखंड, छत्तीसगढ़	हिंदी
पंजाब	पंजाबी	तेलंगाना	तेलुगु
तमिलनाडु	तमिल	ओडिशा	ओड़िया
मध्य प्रदेश	हिंदी		

म	ल	या	ल	म	रा	ठी	अ
गु	ज	रा	ती	णि	सिं	धी	स
ओ	र्दू	बो	ज्ञ	पु	मै	ने	मि
ड़ि	हिं	डो	ग	री	थि	पा	या
या	दी	छ	सं	था	ली	ली	कों
पं	जा	बी	स्कृ	क	श्मी	री	क
ते	लु	गु	त	न्न	स	श	णी
बाँ	ग्ला	उ	र्दू	ड़	त	मि	ल

2. वर्ण विचार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) स्वर की परिभाषा देते हुए स्पष्ट कीजिए कि स्वर व्यंजन से किस प्रकार भिन्न हैं?

वे वर्ण जिनका उच्चारण बिना किसी अन्य वर्ण की सहायता के, स्वतंत्र रूप में होता है, स्वर कहलाते हैं। व्यंजन वर्णों में स्वर मिला होता है। व्यंजन स्वरों की सहायता से ही बोले जाते हैं। बिना स्वर के व्यंजन आधे रूप में प्रयोग किए जाते हैं। स्वरों की मात्राएँ होती हैं पर व्यंजनों की मात्राएँ नहीं होतीं। स्वरों की मात्राएँ व्यंजन वर्णों पर ही लगाई जाती हैं।

(ख) संयुक्त व्यंजन और संयुक्त अक्षर में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।

संयुक्त व्यंजन दो भिन्न व्यंजनों के योग से बना नया व्यंजन है जबकि संयुक्ताक्षर दो अलग-अलग व्यंजनों के एक साथ जुड़ने से बनता है।

(ग) अनुस्वार और अनुनासिक ध्वनियों में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।

अं या अनुस्वार (ं) जिस वर्ण के ऊपर लगा हो उसके तुरंत बाद बोला जाता है। इसका उच्चारण नाक से होता है। अनुनासिक की मात्रा वर्ण के ऊपर चंद्रबिंदु (ँ) के रूप में लगती है। इस ध्वनि को बोलते समय हवा मुँह और नाक दोनों से निकलती है।

(घ) उत्क्षिप्त ध्वनियों की क्या विशेषता होती है? लिखिए।

उत्क्षिप्त ध्वनियों (ड़, ढ़) की विशेषता है कि इनसे कोई शब्द शुरू नहीं होता। ये केवल शब्दों के बीच में ही आती हैं; जैसे – सड़क, पढ़ाई, सीढी, पेड़ आदि।

2. निम्नलिखित शब्दों में से अनुस्वार और अनुनासिक शब्दों को अलग करके लिखिए।

कंचन काँच पाँच पूँछ रंग चँद्र बिंदु आँत

कंधा हंस व्यंजन डंडा हँस माँ मुँह ठंड

अनुनासिक – काँच पाँच पूँछ चँद्र आँत हँस माँ मुँह

अनुस्वार – कंचन रंग बिंदु कंधा हंस व्यंजन डंडा ठंड

3. उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) हिंदी वर्णमाला में 25 **स्पर्श** व्यंजन हैं।

(ख) **उत्क्षिप्त** ध्वनियाँ शब्द के शुरू में नहीं आतीं।

(ग) अं तथा अः वर्णमाला में **अयोगवाह** ध्वनियाँ हैं।

(घ) द्‌वित्व व्यंजन में व्यंजन अपने **समान** वर्ण से जुड़ता है।

(ङ) स्वरसहित 'र' अपने पहले **स्वररहित** वर्ण के पैर में लगता है।

(च) हल् चिह्न से समाप्त होने वाले शब्द **हलंत्** कहलाते हैं।

4. निम्नलिखित वर्णों को उनके उपयुक्त वर्ग में लिखिए।

ऋ ञ ज्ञ ब्ब ह व ढ़

ड़ श्र ए ऊ आ प प्प

(क) **दीर्घ स्वर** – आ, ए, ऊ

(ख) **स्पर्श व्यंजन** – ञ, प, ड

(ग) **अंतस्थ व्यंजन** – व

(घ) **ऊष्म व्यंजन** – ह

(ङ) **उत्क्षिप्त व्यंजन** – ड़, ढ़

(च) **द्‌वित्व व्यंजन** – प्प, ब्ब

(छ) **संयुक्त व्यंजन** – ज्ञ, श्र

(ज) **ह्रस्व स्वर** – ऋ

5. दिए गए शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए।

(क) **चाँद** – च् + आँ + द् + अ

(ख) **खिलौना** – ख् + इ + ल् + औ + न् + आ

(ग) **विज्ञान** – व् + इ + ज् + ञ् + आ + न् + अ

(घ) **कृषक** – क् + ऋ + ष् + अ + क् + अ

(ङ) **प्रार्थना** – प् + र् + आ + र् + थ् + अ + न् + आ

(च) **मोक्ष** – म् + ओ + क् + ष् + अ

(छ) **ध्रुव** – ध् + र् + उ + व् + अ

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) व्यंजन का प्रकार नहीं है –

(i) स्पर्श ☐ (ii) संयुक्त ☐ (iii) अंतस्थ ☐ (iv) दीर्घ ☑

(ख) किस शब्द में 'र' का प्रयोग नहीं है?

(i) प्रमाण ☐ (ii) शृंगार ☑ (iii) कीर्तन ☐ (iv) राष्ट्र ☐

(ग) अ, इ, उ, ऋ हैं–

(i) दीर्घ स्वर ☐ (ii) प्लुत स्वर ☐

(iii) ह्रस्व ☑ (iv) स्पर्श व्यंजन ☐

(घ) हिंदी वर्णमाला में 'ऑ' ध्वनि है–

(i) अनुनासिक ☐ (ii) उत्क्षिप्त ☐

(iii) आगत ☑ (iv) अयोगवाह ☐

रचनात्मक गतिविधि

नीचे दिए गए कहानी के अंश में रिक्त स्थानों की पूर्ति अनुस्वार और अनुनासिक वाले शब्दों से कीजिए।

पंक	सँकरे	पसंद	ऊँची	अँधेरे	घुँघरू	संसार	ठंडी
कहीं	चाँद	चंचल	अंकित	शांत	जंगली	घमंड	

एक नदी थी। उसकी कलकल पैरों में बजते **घुँघरू** जैसी लगती थी। वह **ऊँची** चट्टानों में सहजता से फिसल जाती। **ठंडी** हवा उसे सावधान करती कि आगे **घमंड** से खड़ी चट्टान है। पर नदी पहाड़ों के बीच **सँकरे** रास्तों से निकल जाती। **शांत** खड़े चीड़ के पेड़ पीछे छोड़ देती। मैदानों में **जंगली** फूल नदी को इशारे से बुलाते, पर वह अपने रूप पर इठलाती **कहीं** नहीं रुकती। उसके निकल जाने पर किनारे के **पंक** पर जानवर अपने पदचिह्न **अंकित** करते खेलते। वह रात में चलते-चलते अपनी **चंचल** आँखों से अँधेरे को चीरते चाँद को देखती। उसे **पसंद** था, सारे **संसार** में आज़ादी से घूमना।

3. शब्द विचार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) स्रोत के आधार पर शब्दों के भेदों के नाम लिखिए।

स्रोत के आधार पर शब्दों के चार भेद हैं–

1. तत्सम शब्द 2. तद्भव शब्द 3. देशज शब्द 4. विदेशी शब्द

(ख) तद्भव शब्दों का तत्सम शब्दों से क्या संबंध होता है? उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए।

तद्भव शब्द संस्कृत के तत्सम शब्दों का ही हिंदी रूप होते हैं। जैसे दुग्ध – दूध, दंत – दाँत आदि।

(ग) यौगिक और योगरूढ़ शब्दों में क्या अंतर है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

यौगिक शब्द दो सार्थक शब्दों के मिलने से बनते हैं। जबकि योगरूढ़ शब्द वे यौगिक शब्द होते हैं जो किसी निश्चित अर्थ के लिए रूढ़ हो गए हों।

उदाहरण – यौगिक – शिक्षामंत्री, बैलगाड़ी आदि।

योगरूढ़ – नीलकंठ, दशानन आदि।

2. नीचे दिए गए शब्दों के तत्सम रूप चुनिए।

(क) मोर	–	मेरा	☐	मयूर	✓
(ख) खेत	–	क्षेत्र	✓	श्वेत	☐
(ग) दही	–	दूध	☐	दधि	✓
(घ) दाँत	–	दंतिया	☐	दंत	✓

3. सही कथन के सामने सही (✓) तथा गलत कथन के सामने गलत (✗) चिह्नित कीजिए।

(क) विदेशी भाषा से आए शब्द तत्सम होते हैं। ✗

(ख) एक से अधिक अर्थ देने वाले शब्द पर्यायवाची कहलाते हैं। ✗

(ग) विपरीतार्थक शब्दों का दूसरा नाम विलोम शब्द भी है। ✓

(घ) योगरूढ़ शब्द और यौगिक शब्द समानार्थी होते हैं। ✗

(ङ) शब्द-युग्म एक ही आवृत्ति से बनते हैं। ✗

4. दिए गए विदेशी शब्दों के हिंदी अर्थ लिखिए।

(क)	चश्मा	**ऐनक**	(ख)	ज़मीन	**भूमि**
(ग)	कॉलेज	**महाविद्यालय**	(घ)	कैदी	**बंदी**
(ङ)	गरीब	**निर्धन**	(च)	हुक्म	**आज्ञा**

5. शब्दों को पहचानिए और उनके सामने रूढ़, यौगिक, योगरूढ़ लिखिए।

(क)	फूल	**रूढ़**	(ख)	रसोईघर	**यौगिक**
(ग)	घर	**रूढ़**	(घ)	पंकज	**योगरूढ़**
(ङ)	नीलकंठ	**योगरूढ़**	(च)	विद्यार्थी	**यौगिक**
(छ)	जल	**रूढ़**	(ज)	गजानन	**योगरूढ़**

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) प्रयोग के आधार पर शब्दों का भेद नहीं है।

(i) संबंधबोधक ☐ (ii) संज्ञा ☐
(iii) सर्वनाम ☐ (iv) पर्यायवाची ☑

(ख) योगरूढ़ शब्दों के भेद का आधार है–

(i) प्रयोग ☐ (ii) उत्पत्ति ☐ (iii) बनावट ☐ (iv) अर्थ ☑

(ग) 'तोप' किस विदेशी भाषा से आया शब्द है?

(i) पुर्तगाली ☐ (ii) अरबी ☐ (iii) तुर्की ☑ (iv) फ़ारसी ☐

(घ) यौगिक शब्द का उदाहरण नहीं है–

(i) दशानन ☑ (ii) बैलगाड़ी ☐ (iii) रेलमंत्री ☐ (iv) पाठशाला ☐

(ङ) 'सुख-दुख' शब्द युग्म है–

(i) मिलते-जुलते ☐ (ii) विपरीत ☑
(iii) सार्थक-निरर्थक ☐ (iv) समान आवृत्ति ☐

रचनात्मक गतिविधि

- **दी गई वर्ग पहेली को निम्नलिखित संकेतों की सहायता से पूरा कीजिए।**

बाएँ से दाएँ

1. वह स्थान जहाँ व्यापारी अपना स्टॉक रखते हैं
4. एक तुर्की शब्द, जिसका अर्थ विश्वास है
9. कृष्ण के लिए प्रचलित योगरूढ़ शब्द
10. 'पंक्ति' का अर्थ देने वाला विदेशी शब्द
11. सप्ताह के अर्थ में प्रयुक्त होने वाला फ़ारसी भाषा का शब्द

ऊपर से नीचे

1. एक नदी का नाम
2. मछली का तत्सम
3. उपाय का उर्दू शब्द
5. जो फौज़ के सिपाही के लिए भी प्रयुक्त विदेशी शब्द, युवा
6. बंदर का तत्सम
7. एक रूढ़ शब्द, जो एक फल का नाम भी है।
8. कमल के लिए प्रयुक्त योगरूढ़ शब्द
12. गति का विदेशी शब्द

1 गो	दा	2 म	3 त	5 ज
म		त्स	र	6 वा
ती	7 प	4 य	की	न
8 पं	9 पी	तां	ब	12 र
10 क	ता	र	11 ह	फ़्ता
ज				र

4. उच्चारण एवं वर्तनी

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी को शुद्ध करके लिखिए।

(क)	हढ़ताल	**हड़ताल**	(ख)	क्रितज्ञ	**कृतज्ञ**
(ग)	मोलिक	**मौलिक**	(घ)	सिच्छा	**शिक्षा**
(ङ)	बुद्धीमान	**बुद्धिमान**	(च)	बरात	**बारात**
(छ)	वधु	**वधू**	(झ)	एकेक	**एकैक**
(ञ)	त्यौहार	**त्योहार**	(ट)	बिसैला	**विषैला**

2. शुद्ध वर्तनी वाले शब्द अलग करके लिखिए।

अत्याधिक कृतज्ञ शक्ती योगिक गूँज प्रसाद प्राण शर्मीला
पाँचवीं गणित स्थायी तृण हानि मुक कनिष्ठ वंजर थैला

कृतज्ञ पाँचवीं गूँज स्थायी प्राण तृण प्रसाद थैला
गणित हानि कनिष्ठ शर्मीला

बहुविकल्पी प्रश्न

3. उचित विकल्प चुनिए।

(क) किस शब्द की वर्तनी शुद्ध है?

(i) श्रीमती ☑ (ii) निरोग ☐ (iii) बिमारी ☐ (iv) स्वस्थ्य ☐

(ख) किस शब्द में 'ट-ठ' संबंधी अशुद्धि है?

(i) घनिष्ठ ☐ (ii) विशिष्ठ ☑ (iii) बलिष्ठ ☐ (iv) संतुष्ट ☐

(ग) 'ऋ' संबंधी अशुद्धि वाला शब्द छाँटिए–

(i) मातृ ☐ (ii) हृदय ☐ (iii) रितु ☑ (iv) ऋषि ☐

(घ) 'ण-न' संबंधी अशुद्धि किस शब्द में है?

(i) नमन ☐ (ii) ऋन ☑ (iii) भजन ☐ (iv) मानक ☐

रचनात्मक गतिविधि

- **पंक्तियों के अशुद्ध शब्दों पर गोला लगाकर शुद्ध शब्द लिखिए।**

बोले तो हमैशा सच, सच से हटे नहीं,
झूट के ढराए से हरगिज डरे नहीं,
सचमुच वही सच्चा है।
माथे को फुल-सा अपने चड़ा दे जो,
रूकती-सी दूनिया को आगे बड़ा दे जो,
मरना वही अच्छा है।
प्राणि का वैसे और दुनिया में टोटा नहीं,
कोई प्राणि बढ़ा नहीं, कोई प्राणि छोटा नहीं।

शुद्ध शब्द – हमेशा, झूठ, डराए, फूल, चढ़ा, रुकती, दुनिया, बढ़ा, प्राणी, बड़ा

5. संज्ञा

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) संज्ञा के भेदों के नाम उदाहरण सहित लिखिए।

हिंदी व्याकरण में संज्ञा के तीन भेद माने गए हैं–

व्यक्तिवाचक संज्ञा – ताजमहल, हिमालय, सचिन

जातिवाचक संज्ञा – इमारत, पहाड़, लड़का

भाववाचक संज्ञा – ममता, मिठास, प्रभुता

(ख) भाववाचक संज्ञाओं की क्या विशेषता है?

भाववाचक संज्ञाओं को केवल अनुभव या महसूस किया जा सकता है तथा ये प्राय: एकवचन रूप में प्रयुक्त होती हैं।

(ग) भाववाचक संज्ञाएँ कैसे बनाई जा सकती हैं?

जातिवाचक संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया तथा अव्यय शब्दों से भाववाचक संज्ञा शब्द बनाए जा सकते हैं; जैसे – मानव – मानवता, बहादुर – बहादुरी, अपना – अपनापन आदि।

(घ) जातिवाचक संज्ञा का प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में कैसे होता है?

कभी-कभी किसी जाति या वर्ग का कोई व्यक्ति इतना प्रसिद्ध हो जाता है कि उसे उस समुदाय के नाम से पहचाना जाने लगता है। तब वह जातिवाचक संज्ञा शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयुक्त होने लगता है; जैसे – नेताजी ने देश की आज़ादी में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इस वाक्य में नेताजी शब्द जातिवाचक है परंतु उसका प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में किया गया है।

(ङ) व्यक्तिवाचक संज्ञा का प्रयोग जातिवाचक संज्ञा के रूप में कब होता है?

कुछ व्यक्तिवाचक संज्ञाएँ अपने गुण-दोषों के कारण इतनी प्रसिद्ध हो जाती हैं कि वे जातिवाचक संज्ञा के रूप में प्रयोग की जाती हैं। जैसे– आज के युग में श्रवण कुमार ढूँढ़ना मुश्किल है।

तुम तो विभीषण निकले। श्रवण कुमार का प्रयोग माता-पिता की सेवा करने वाले सभी पुत्रों के लिए तथा विभीषण का प्रयोग घर के भेद दूसरों को बताने वाले के लिए किया जाता है।

2. वाक्यों को उचित संज्ञाओं द्वारा पूरा कीजिए।

विभीषण	दुश्मन	अपनापन	खिलाड़ी	धुलाई	चतुराई

(क) माधुरी की **चतुराई** ने सबको बचा लिया।

(ख) **दुश्मन** को कभी कमज़ोर मत समझो।

(ग) भाई का **अपनापन** देखकर लाला जी गद्गद हो गए।

(घ) कपड़ों की **धुलाई** ठीक से करो।

(ङ) 'घर का भेदी लंका ढाए' कहावत **विभीषण** के लिए कही गई है।

(च) सभी **खिलाड़ी** आराम कर रहे हैं।

3. ये शब्द जातिवाचक हैं, व्यक्तिवाचक या भाववाचक लिखिए।

(क)	फूल	**जातिवाचक**	(ख)	ट्रेन	**जातिवाचक**
(ग)	ममता	**भाववाचक**	(घ)	गांधी जी	**व्यक्तिवाचक**
(ङ)	दुश्मनी	**भाववाचक**	(च)	कुरान	**व्यक्तिवाचक**
(छ)	राष्ट्र	**जातिवाचक**	(ज)	राजधानी	**जातिवाचक**
(झ)	लड़ाई	**भाववाचक**	(ञ)	निकटता	**भाववाचक**
(ट)	कमल	**व्यक्तिवाचक**	(ठ)	मातृत्व	**भाववाचक**

4. दी गई भाववाचक संज्ञाएँ किन शब्दों से बनी हैं, लिखिए।

(क)	जागरण	**जागना**	(ख)	हरियाली	**हरा**
(ग)	अहंकार	**अहं**	(घ)	बचपन	**बच्चा**
(ङ)	सामीप्य	**समीप**	(च)	जलन	**जलना**
(झ)	ठंडक	**ठंड**	(ञ)	ममता	**मम्**
(ट)	बाहरी	**बाहर**	(ठ)	भूख	**भूख**

5. निम्नलिखित वाक्यों के रंगीन शब्दों की भाववाचक संज्ञा से वाक्य बनाइए।

(क) **बूढ़ा** लाठी टेकता हुआ गया।

बुढ़ापे में व्यक्ति लाठी टेककर चलता है।

(ख) **हँसना** सेहत के लिए लाभदायक है।

हँसी इंसान को स्वस्थ रखती है।

(ग) **व्यक्ति** कर्म से महान बनता है।

व्यक्तित्व की पहचान कार्य से होती है।

(घ) **सच्चा** नेता जनता का सेवक होता है।

सच्चाई को कभी छिपाया नहीं जा सकता।

(ङ) **आलसी** आदमी सदैव पछताता है।

आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है।

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) जातिवाचक संज्ञा शब्द चुनिए–

(i) शिशु ✓ (ii) चतुर ☐ (iii) सुंदर ☐ (iv) थकना ☐

(ख) 'स्वत्व' भाववाचक संज्ञा का मूल शब्द है–

(i) अव्यय ☐ (ii) सर्वनाम ✓ (iii) विशेषण ☐ (iv) क्रिया ☐

(ग) किस शब्द से भाववाचक संज्ञा नहीं बनेगी?

(i) सफ़ेद ☐ (ii) ठग ☐

(iii) जीतना ☐ (iv) ताजमहल ✓

(घ) 'महात्मा गांधी' के लिए संज्ञा-भेद है–

(i) जातिवाचक ☐ (ii) व्यक्तिवाचक ✓

(iii) भाववाचक ☐ (iv) समूहवाचक ☐

रचनात्मक गतिविधि

केवल संज्ञा शब्दों से शब्द-सीढ़ी पूरी कीजिए।

संकेत

1. एक शहर का नाम
2. अच्छे आचरण वाला पुरुष
3. नए होने का भाव
4. इनसान का पर्यायवाची
5. जो लोगों का मुकदमा लड़े
6. बालक का पर्यायवाची
7. कालापन की एक अन्य भाववाचक
8. जिसे कमाया हो
9. संसार को रचने वाला
10. रात का पर्यायवाची

1 ब	ना	र	2 स									
			ज्ज			4 मा						
			3 न	या	प	न						
						5 व	की	6 ल				
								ड़		8 क		
								7 का	लि	मा		
										9 ई	श्व	10 र
												ज
												नी

6. लिंग

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) लिंग से क्या तात्पर्य है?

व्याकरण में ऐसे शब्द जो पुरुष या स्त्री जाति का बोध कराएँ, उन्हें लिंग कहते हैं।

(ख) लिंग के भेदों को उदाहरण के साथ समझाइए।

हिंदी व्याकरण में लिंग के दो भेद माने गए हैं–

पुल्लिग – पुरुष जाति का बोध कराने वाले शब्द पुल्लिग कहलाते हैं। जैसे– नायक, बंदर आदि।

स्त्रीलिंग – स्त्री जाति का बोध कराने वाले शब्द स्त्रीलिंग कहलाते हैं। जैसे– नायिका, बंदरिया आदि।

(ग) निर्जीव वस्तुओं के लिंग की पहचान कैसे की जाती है?

लिंग की पहचान करते समय हमें ध्यान रखना चाहिए कि कुछ शब्द हमेशा पुल्लिग में ही प्रयुक्त होते हैं तथा कुछ शब्द सदा स्त्रीलिंग में ही प्रयुक्त होते हैं। निर्जीव वस्तुओं के लिंग परंपरागत रूप से नियत हैं। अधिकतर अकारांत शब्द पुल्लिग तथा आकारांत शब्द स्त्रीलिंग माने जाते हैं। प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति आदि कुछ पदनाम स्त्रीलिंग और पुल्लिग में समान रहते हैं।

(घ) खानपान की कुछ ऐसी वस्तुओं के नाम लिखिए, जिनकी पहचान स्त्रीलिंग शब्द के रूप में होती है।

जलेबी, इमरती, मिठाई, चटनी, चाय, पकौड़ी, खटाई, मिर्ची आदि।

(ङ) पुल्लिग शब्द के रूप में स्वीकृत कोई पाँच शब्द लिखिए।

मकान, हिमालय, भारत, सहयोग, सोना।

2. वाक्यों में रंगीन शब्दों के लिंग पहचानकर लिखिए।

(क) खोदा पहाड़, निकली **चुहिया**। **स्त्रीलिंग**

(ख) **किसानों** की **रोज़ी-रोटी खेती** पर निर्भर रहती है। **पुल्लिग, स्त्रीलिंग**

(ग) हवा चल रही है **आँधी** नहीं। **स्त्रीलिंग**

(घ) मिल-जुलकर **प्रेम** से रहो, दुश्मनी करके क्या मिलेगा। **पुल्लिंग**

(ङ) **हीरे-जवाहरात** खरीदना गरीब आदमी के बस में कहाँ? **पुल्लिंग**

3. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखिए।

(क)	पुत्री	**पुत्र**	(ख)	लेखक	**लेखिका**
(ग)	मादा	**नर**	(घ)	गुड़िया	**गुड्डा**
(ङ)	युवक	**युवती**	(च)	विदुषी	**विद्वान**
(छ)	चौधरी	**चौधराइन**	(ज)	सास	**ससुर**
(झ)	बकरी	**बकरा**	(ञ)	चूहा	**चुहिया**
(ट)	खरगोश	**मादा खरगोश**	(ठ)	कवि	**कवयित्री**

4. दिए गए शब्दों के सही लिंग पहचान कर गोला लगाइए।

(क) महाराजा – महाराजी, महाराइनी, महारानी

(ख) माली – माला, मालिन, मालीनी

(ग) दूल्हा – दूल्ही, दुल्हन, दुल्रानी

(घ) नौकरानी – नौकराजा, नौकराना, नौकर

(ङ) देवी – देव, देवा, देवता

(च) विद्वान – विद्वानी, विदुषी, विद्वती

5. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका लिंग स्पष्ट हो जाए।

(क) **क्रोध –** रावण को क्रोध आ गया।

(ख) **सेना –** सेना अपने पड़ाव पर पहुँच गई।

(ग) **मच्छर –** गंदगी में मच्छर पनपते हैं।

(घ) **शक्ति –** एकता में शक्ति होती है।

(ङ) **हीरा –** राजा के पास बहुमूल्य हीरा था।

(च) **हिंदी –** हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है।

(छ) **बारिश –** सुबह से मूसलाधार बारिश हो रही है।

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'राजा ने वीर को ____________ दिया।'– पुल्लिंग शब्द से वाक्य पूरा कीजिए।

(i) शाबाशी ☐ (ii) इनाम ☑ (iii) सज़ा ☐ (iv) तलवार ☐

(ख) कौन-सा शब्द स्त्रीलिंग नहीं है?

(i) लता ☐ (ii) चील ☐ (iii) कोयल ☐ (iv) खरगोश ☑

(ग) 'वीरांगना' शब्द स्त्रीलिंग है। इसका विपरीत लिंग वाला सही शब्द है–

(i) वीरा ☐ (ii) वीरांग ☐ (iii) वीर ☑ (iv) वीरांगी ☐

(घ) रेखांकित शब्दों के विलोम से रिक्त स्थान भरिए–

नर्तक और ____________ ने अद्भुत नृत्य किया।

(i) नर्तकी ☑ (ii) सुंदरी ☐ (iii) दासी ☐ (iv) कुमारी ☐

रचनात्मक गतिविधि

चित्र में दिए गए स्त्रीलिंग-पुल्लिंग शब्दों का प्रयोग करते हुए एक लघु कहानी लिखिए।

पंडित बंदरिया मौसी बुद्धिमान वधू बाघ पंडिताइन
मौसा वर बाघिन बुढ़िया कटोरी बूढ़ा बंदर बुद्धिमती कटोरा

गोलू ने देखा एक सपना
उसमें देखे बाघिन-बाघ
बाघ की थी लंबी पूँछ
उसके पीछे थे वर-वधू।
वधू के साथ थे पंडित-पंडिताइन
वे दोनों थे बुद्धिमान-बुद्धिमती
हाथ में थे उनके कटोरा-कटोरी
तभी आ गए मौसा-मौसी।
लाए थे वे बंदर-बंदरिया
पर थे दोनों बूढ़ा-बुढ़िया।

7. वचन

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) वचन की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

शब्द के जिस रूप से उसके एक या अनेक होने का बोध हो उसे वचन कहते हैं। जैसे – किताब – किताबें, पत्ता – पत्ते, मक्खी – मक्खियाँ आदि।

(ख) ऐसे पाँच शब्द लिखिए जो अधिकतर बहुवचन में ही प्रयोग किए जाते हैं।

प्राण, दर्शन, समाचार, आँसू, होश।

(ग) आदरार्थ बहुवचन से क्या अभिप्राय है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

आदर प्रकट करने के लिए एक व्यक्ति के लिए भी बहुवचन शब्द का प्रयोग होता है। इसे ही आदरार्थ बहुवचन कहते हैं। जैसे – दादा जी कल आएँगे।

इसमें दादा जी एकवचन हैं परंतु आदरार्थ उनके लिए 'आएँगे' बहुवचन सूचक शब्द प्रयुक्त किया है।

2. रंगीन शब्दों के वचन बदलकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) नीतू ने जब एक **रस्सी** खींची, तो सारी **रस्सियाँ** खुद खिंच गईं।

(ख) मेरी एक **पतंग** से ही सबकी **पतंगें** कट गईं।

(ग) कुएँ पर अनेक **घड़े** थे, पर भरा हुआ **घड़ा** एक ही था।

(घ) चार **रास्ते** देखकर हरि समझ नहीं पाया कि कौन-सा **रास्ता** सही है।

(ङ) अभी **सड़क** साफ़ थी पर बारिश आने से सारी **सड़कें** पानी से भर गईं।

(च) माधव ने **गन्ने** के खेत से एक **गन्ना** तोड़कर खाया।

(छ) **भेड़िया** ने आवाज़ लगाई तो सभी **भेड़िये** दौड़े आए।

3. वचन संबंधी अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) **छुट्टियाँ** में हम दादा-दादी के घर **जाएगा**।

छुट्टियों में हम दादा-दादी के घर जाएँगे।

(ख) **जनताएँ** अपना प्रतिनिधि खुद चुनती **हैं**।

जनता अपना प्रतिनिधि खुद चुनती है।

(ग) **आकाशों** में तारा चमक **रहे हैं**।

आकाश में तारे चमक रहे हैं।

(घ) सुभाष चंद्र बोस नेताजी **कहलाता है**।

सुभाष चंद्र बोस नेताजी कहलाते हैं।

(ङ) पानी गिर **रहे हैं**।

पानी गिर रहा है।

(च) जोकर ने टोपियाँ **उछाली**।

जोकर ने टोपियाँ उछालीं।

(छ) घोड़ा दौड़ **रहे हैं**।

घोड़ा दौड़ रहा है।

4. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए।

(क)	आँख	**आँखें**	(ख)	गुरुजन	**गुरु**
(ग)	कमरे	**कमरा**	(घ)	बच्ची	**बच्चियाँ**
(ङ)	कहानी	**कहानियाँ**	(च)	पत्ता	**पत्ते**
(छ)	नाटक	**नाटकों**	(ज)	ऋतु	**ऋतुएँ**
(झ)	सब्ज़ी	**सब्ज़ियाँ**	(ञ)	पाठक	**पाठकवर्ग**

5. निम्नलिखित के सही बहुवचन रूप पहचानकर लिखिए।

(क) आप **आपलोग** (आपका, आपलोग)

(ख) नदी **नदियाँ** (नदियाँ, नदियों)

(ग) छात्र **छात्रगण** (छात्रजन, छात्रगण)

(घ) आँसू **आँसुओं** (आँसुओं, आँसू)

(ङ) बाँह **बाँहें** (बाँहों, बाँहें)

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) कौन-सा शब्द रूप बहुवचन में नहीं है?

(i) जनता ☐ (ii) होश ☐ (iii) चुहिया ☑ (iv) बाल ☐

(ख) किस वाक्यांश में शब्द है तो एकवचन में, परंतु लगता बहुवचन है?

(i) पत्ते पर लिखा ☑ (ii) कमरे सजाओ ☐

(iii) चिड़ियाँ उड़ीं ☐ (iv) बहनें आएँगी ☐

(ग) सदा एकवचन में प्रयोग होने वाला शब्द है–

(i) हस्ताक्षर ☐ (ii) पानी ☑ (iii) प्राण ☐ (iv) होश ☐

(घ) बहुवचन में प्रयोग होने वाला आदरसूचक शब्द है–

(i) आप ☐ (ii) हम ☐ (iii) तुम ☐ (iv) वे ☑

रचनात्मक गतिविधि

- **एक छोटा-सा अनुच्छेद लिखिए जिसमें इन शब्दों के एकवचन तथा बहुवचन दोनों रूप आएँ।**

  शब्द हैं– आँख, हवा, तिनका, चिड़िया

  बच्चे स्वयं करें।

8. कारक

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) कारक किसे कहते हैं?

शब्दों का वह रूप जो संज्ञा या सर्वनाम का क्रिया तथा वाक्य के अन्य शब्दों के साथ संबंध बताता है, कारक कहलाता है।

(ख) कारक चिह्नों की पहचान वाक्य में कैसे की जाती है?

कारक चिह्नों की पहचान वाक्य में प्रश्न पूछकर की जाती है। सभी कारकों की पहचान के लिए अलग-अलग प्रश्न लगाए जाते हैं।

(ग) कारक के सभी भेदों के नाम लिखिए।

कारक के आठ भेद हैं–

1. कर्ता 2. कर्म 3. करण 4. संप्रदान 5. अपादान

6. अधिकरण 7. संबंध 8. संबोधन

(घ) अपादान और करण कारक में एक ही विभक्ति प्रयुक्त होती है? आप दोनों में कैसे अंतर करेंगे?

इनकी पहचान 'किससे' और 'कहाँ से' प्रश्न लगाकर की जा सकती है। 'किससे' के उत्तर में आने वाले कारक 'करण' कारक और 'कहाँ से' के उत्तर में आने वाले कारक 'अपादान' कारक होंगे।

(ङ) कर्म और संप्रदान कारक में अंतर कैसे पता चलता है?

कर्म और संप्रदान कारक का विभक्ति चिह्न 'को' है। वाक्य में संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप पर क्रिया के व्यापार का फल पड़ता है। वहाँ कर्म कारक होता है तथा जहाँ वाक्य में किसी को कुछ देने का भाव होता है, वहाँ संप्रदान कारक होता है।

2. निम्नलिखित कथनों में से सही-गलत की पहचान कीजिए।

(क) कारक चिह्नों को परसर्ग भी कहा जाता है। ✓

(ख) कुछ कारक चिह्न समान हैं। ✓

(ग) 'ने' चिह्न कर्म कारक का है। ✗

(घ) अपादान कारक को ही संप्रदान कारक भी कहते हैं। ✗

(ङ) 'का', 'की', 'के' संबंध कारक के चिह्न हैं। ✓

(च) में, पर अपादान कारक चिह्न हैं। ✗

3. उचित कारक द्वारा वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) छत **में** पंखा टँगा है।

(ख) मेरे भाई **को** ऊँचाई **से** डर नहीं लगता।

(ग) दादा जी गरीब बच्चों **को** पढ़ाते हैं।

(घ) अध्यापक **ने** विद्यार्थियों **को** गृहकार्य दिया।

(ङ) रंगों **से** चित्र पूरा करो।

4. कारक संबंधी अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) इस पुस्तक **पर** सौ पृष्ठ हैं। **इस पुस्तक में सौ पृष्ठ हैं।**

(ख) ट्रेन स्टेशनों **में** नहीं रुकी। **ट्रेन स्टेशनों पर नहीं रुकी।**

(ग) पेंसिल **ने** चित्र बनाइए। **पेंसिल से चित्र बनाइए।**

(घ) मेरे **को** गाना अच्छा लगता है। **मुझे गाना अच्छा लगता है।**

(ङ) शब्द **में** अर्थ बताइए। **शब्द का अर्थ बताइए।**

(च) आराम **को** लिए कुर्सी लाइए। **आराम के लिए कुर्सी लाइए।**

5. निम्नलिखित वाक्यों में कारक पहचानकर अपादान अथवा करण कारक लिखिए।

(क) हम मेला देखने कार से गए। **करण कारक**

(ख) भयानक आवाज़ से सब डर गए। **अपादान कारक**

(ग) पलंग से किताबें नीचे रखो। **अपादान कारक**

(घ) बच्चा बोतल से दूध पी रहा है। **करण कारक**

(ङ) मंजीत संदीप से अच्छा गाता है। **अपादान कारक**

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) कर्म कारक का चिह्न है–

(i) के द्वारा ☐ (ii) को ✓

(iii) के लिए ☐ (iv) में ☐

(ख) 'कहाँ से' प्रश्न करने पर किस कारक की पहचान होती है?

(i) अपादान	✓	(ii) संप्रदान	☐
(iii) अधिकरण	☐	(iv) करण	☐

(ग) संबंध कारक की पहचान के लिए प्रश्न का आधार है–

(i) किसे	☐	(ii) किससे	☐
(iii) किसका	✓	(iv) किसमें	☐

(घ) दोनों ने मिलकर खाना बनाया।–रेखांकित का कारक है–

(i) कर्म	☐	(ii) करण	☐
(iii) अधिकरण	☐	(iv) कर्ता	✓

रचनात्मक गतिविधि

- **नीचे दी गई पंक्तियों को अधिकरण कारक अथवा संबंध कारक द्वारा पूरा कीजिए।**

भारत **के** दक्षिणी भाग **में** समुद्र से घिरे कई द्वीप हैं। इन्हीं द्वीपों **में** से एक है – कारनिकोबार द्वीप। इस द्वीप **में** बसे लोगों **के** मन **में** यह विचार आया कि अन्य द्वीपों **की** खोज करनी चाहिए। उन्होंने नारियल **का** एक पेड़ उखाड़ा। नारियल **के** उस पेड़ को छीलकर उन्होंने नाव बनाई। उस नाव **में** कुछ फल रखकर उन्होंने उसे समुद्र **में** छोड़ दिया।

9. सर्वनाम

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) सर्वनाम किसे कहते हैं? उदाहरण भी दीजिए।

संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। जैसे– मैं, तुम, आप, वे, हम, वह आदि।

(ख) सर्वनाम के सभी भेदों एवं उपभेदों के नाम लिखिए।

सर्वनाम के छह भेद हैं–

1. पुरुषवाचक सर्वनाम – उत्तम पुरुषवाचक, मध्यम पुरुषवाचक, अन्य पुरुषवाचक
2. निश्चयवाचक सर्वनाम 3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम
4. संबंधवाचक सर्वनाम 5. प्रश्नवाचक सर्वनाम 6. निजवाचक सर्वनाम

(ग) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम किनके लिए प्रयोग किए जाते हैं?

अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम बोलने वाले तथा सुनने वाले किसी तीसरे या अन्य के लिए प्रयोग करते हैं।

(घ) प्रश्नवाचक सर्वनाम कब प्रयोग होते हैं?

किसी व्यक्ति, वस्तु या स्थान के विषय में प्रश्न करने के लिए प्रश्नवाचक सर्वनाम का प्रयोग करते हैं।

(ङ) लिंग परिवर्तन का सर्वनाम पर क्या प्रभाव पड़ता है?

लिंग परिवर्तन का सर्वनाम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। ऐसी स्थिति में क्रिया शब्दों से सर्वनाम शब्द के लिंग की पहचान की जाती है।

2. सर्वनाम रेखांकित कीजिए और उनका भेद भी लिखिए।

(क) <u>तुम</u> <u>मुझे</u> खून दो, <u>मैं</u> <u>तुम्हें</u> आज़ादी दूँगा।

मध्यम पुरुषवाचक; उत्तम पुरुषवाचक; उत्तम पुरुषवाचक; मध्यम पुरुषवाचक

(ख) स्वतंत्रता <u>मेरा</u> जन्मसिद्ध अधिकार है।

मेरा – उत्तम पुरुषवाचक

(ग) <u>आप</u> <u>अपना</u> काम <u>अपने–आप</u> कीजिए।

आप – मध्यम पुरुषवाचक; अपना, अपने–आप – निजवाचक

(घ) पानी में <u>कुछ</u> गिर गया है। **अनिश्चयवाचक**

(ङ) <u>जिसकी</u> लाठी <u>उसकी</u> भैंस। **संबंधवाचक**

3. दिए गए सर्वनामों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(क) **तुम** – तुम तोते को जाने दो।

(ख) **वह** – वह अपने घर चला गया।

(ग) **कौन** – कौन आया है?

(घ) **अपने-आप** – उसे रास्ता पता है। वह अपने-आप चला जाएगा।

(ङ) **जितना-उतना** – जो जितना कर्म करेगा वो उतना फल पाएगा।

(च) **कोई** – परदे के पीछे कोई खड़ा है।

4. वाक्यों की सर्वनाम संबंधी अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) दरवाज़े पर कुछ खड़ा है। **दरवाज़े पर कोई खड़ा है।**

(ख) अपना काम तुम्हारे आप ही कीजिए। **अपना काम अपने आप ही कीजिए।**

(ग) तुमको अच्छा व्यवहार करना चाहिए। **तुम्हें अच्छा व्यवहार करना चाहिए।**

(घ) कौन का सामान लाए हो? **किसका सामान लाए हो?**

(ङ) जैसा करोगे उतना भरोगे। **जैसा करोगे वैसा भरोगे।**

(च) कौन का पत्र आया है? **किसका पत्र आया है?**

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) कर्ता अपने लिए जिन सर्वनामों का प्रयोग करता है, वे कहलाते हैं–

(i) पुरुषवाचक सर्वनाम ☑ (ii) निजवाचक सर्वनाम ☐

(iii) निश्चयवाचक सर्वनाम ☐ (iv) संबंधवाचक सर्वनाम ☐

(ख) निश्चयवाचक सर्वनाम का उदाहरण किस वाक्य में है?

(i) यह नीली कमीज़ मेरी है। ☑

(ii) कौन घर आएगा? ☐

(iii) मेरे घर के पीछे बगीचा है। ☐

(iv) पानी में कुछ पड़ा है। ☐

(ग) 'तुम यह क्या खा रहे हो?'–वाक्य में प्रयुक्त सर्वनाम का भेद है–

(i) पुरुषवाचक सर्वनाम ☐ (ii) निश्चयवाचक सर्वनाम ☐

(iii) प्रश्नवाचक सर्वनाम ☑ (iv) उपर्युक्त सभी ☐

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम दर्शाता है–

(i) अनिश्चित वस्तु या प्राणी ☑

(ii) संज्ञा-सर्वनाम का संबंध ☐

(iii) निश्चित वस्तु या प्राणी ☐

(iv) वस्तु या प्राणी के बारे में जानना ☐

रचनात्मक गतिविधि

इस नाटक के संवादों के अशुद्ध सर्वनामों को पहचानिए और सही सर्वनाम का प्रयोग करते हुए नाटक के संवाद पुनः लिखिए।

कुसुम – अरे मालती, आप इतनी तेज़ क्यों भाग रही हो?

मालती – कोई क्लास में जा रही हूँ। घंटी बज गई है।

स्नेहा – न जाने वह कहाँ रहती हो! वहाँ क्या हो रहा है, पता भी है?

कुसुम – वह क्या जाने बेचारी! पढ़ने से ही फुर्सत नहीं मिलती। (सब हँसती हैं)

मालती – क्या बताओगी भी या हँसती ही रहोगी।

स्नेहा – तो मेरी रानी! तुम्हें क्रोध भी आता है।

मालती – भई, तुम्हारे चली। हमें जिस तरह मज़ाक में समय खोना नहीं जानती। हमारे को काम करना है।

कुसुम – अरे मालती, **तुम** इतनी तेज़ क्यों भाग रही हो?

मालती – मैं क्लास में जा रही हूँ। घंटी बज गई है।

स्नेहा – न जाने **तुम** कहाँ रहती हो! वहाँ क्या हो रहा है, पता भी है?

कुसुम – यह क्या जाने बेचारी! पढ़ने से फुर्सत ही नहीं मिलती। (सब हँसती हैं)

मालती – कुछ बताओगी भी या हँसती ही रहोगी।

स्नेहा – तो **मेरी** रानी! तुम्हें क्रोध भी आता है।

मालती – भई, मैं चली। **मैं** इस तरह मज़ाक में समय खोना नहीं जानती। मुझे काम करना है।

10. विशेषण

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) विशेषण के कितने भेद किए गए हैं? प्रत्येक का एक-एक उदाहरण दीजिए।

विशेषण के चार भेद किए गए हैं–

1. गुणवाचक विशेषण – सुनहरा
2. संख्यावाचक विशेषण – पाँच केले
3. परिमाणवाचक विशेषण – थोड़ी चीनी
4. सार्वनामिक विशेषण – कोई लड़का

(ख) विशेषण और विशेष्य की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्द विशेषण कहलाते हैं। विशेषण जिनकी विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेष्य कहते हैं। जैसे – आप बुद्धिमान हैं। इसमें बुद्धिमान विशेषण तथा आप विशेष्य है।

(ग) विशेषण और प्रविशेषण में क्या अंतर होता है?

विशेषण तो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं परंतु प्रविशेषण स्वयं विशेषण की विशेषता बताते हैं। जैसे – चाय बहुत मीठी है। यहाँ 'बहुत' प्रविशेषण है।

(घ) उदाहरण देते हुए सर्वनाम और सार्वनामिक विशेषण में अंतर स्पष्ट कीजिए।

सर्वनाम शब्द संज्ञा के स्थान पर प्रयोग किए जाते हैं जबकि सार्वनामिक विशेषण वह हैं जो संज्ञा शब्द के पहले लगकर उसकी विशेषता बताएँ। जैसे – मैं (सर्वनाम) खेल रहा हूँ। वह (सार्वनामिक विशेषण) खिलाड़ी मुझे जानता है।

2. उचित विशेषण चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

(क) इस उपवन में **सुंदर** फूल खिले हैं। (सुंदर / कुरूप)

(ख) मोहन के **दो** भाई हैं। (कुछ / दो)

(ग) **थोड़े** फल सड़ गए हैं। (थोड़े / कहीं)

(घ) **वह** घोड़ा तेज़ दौड़ता है। (वह / ये)

3. निम्नलिखित संज्ञा शब्दों के लिए दो–दो विशेषण लिखिए।

(क)	विद्यालय	**सुंदर, बड़ा**	(ख)	समाचारपत्र	**दैनिक, प्रसिद्ध**
(ग)	नागरिक	**श्रेष्ठ, ज़िम्मेदार**	(घ)	मित्र	**घनिष्ठ, ईमानदार**
(ङ)	डॉक्टर	**अच्छा, अनुभवी**	(च)	दूध	**मिलावटी, ताज़ा**
(छ)	स्मारक	**प्राचीन, अद्भुत**	(ज)	रंग	**काला, गहरा**

4. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण रेखांकित करके उस विशेषण से नया वाक्य बनाइए।

(क) चमकते तारे सुंदर लग रहे हैं।

सुंदर – बगिया में सुंदर फूल खिले हैं।

(ख) यह पुस्तक मेरी है।

मेरी – वह मेरी बहन है।

(ग) बारिश में बहुत मच्छर आ जाते हैं।

बहुत – सड़कों पर बहुत पानी भरा है।

(घ) पाँच गुब्बारे और खरीद लाइए।

पाँच – पाँच पतंगें और लाइए।

(ङ) मेरा घर पाँच किलोमीटर की दूरी पर है।

पाँच किलोमीटर – उसका स्कूल पाँच किलोमीटर की दूरी पर है।

(च) वृद्धों को धार्मिक चर्चा अच्छी लगती है।

धार्मिक – उसकी माता जी धार्मिक हैं।

5. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए।

(क)	सुख	**सुखी**	(ख)	पढ़ना	**पढ़ाकू**
(ग)	चरित्र	**चरित्रवान**	(घ)	पीछे	**पिछला**
(ङ)	रंग	**रंगीन**	(च)	ऊपर	**ऊपरी**
(छ)	यह	**यही/ऐसा**	(ज)	मैं	**मुझ-सा**
(झ)	भूख	**भूखा**	(ञ)	सेवा	**सेवक**

6. दिए गए शब्दों की मूलावस्था, उत्तरावस्था तथा उत्तमावस्था लिखिए।

प्रिय उच्च निम्न मधुर सुंदर अधिक

मूलावस्था	उत्तरावस्था	उत्तमावस्था
प्रिय	प्रियतर	प्रियतम
उच्च	उच्चतर	उच्चतम
निम्न	निम्नतर	निम्नतम
मधुर	मधुरतर	मधुरतम
सुंदर	सुंदरतर	सुंदरतम
अधिक	अधिकतर	अधिकतम

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) गुणवाचक विशेषण है–

(i) आठ ☐ (ii) शहरी ☑ (iii) बहुत ☐ (iv) लाख ☐

(ख) 'दो सौ' ग्राम शहद खरीद लाओ' वाक्य में विशेषण का प्रकार है–

(i) परिमाणवाचक ☑ (ii) संख्यावाचक ☐

(iii) सार्वनामिक ☐ (iv) गुणवाचक ☐

(ग) अव्यय से बनने वाला विशेषण है–

(i) भीतरी ☑ (ii) रोगी ☐

(iii) खिलाड़ी ☐ (iv) पहला ☐

(घ) 'चाँदनी' विशेषण बना है–

(i) संज्ञा से ☑ (ii) अव्यय से ☐

(iii) क्रिया से ☐ (iv) सर्वनाम से ☐

रचनात्मक गतिविधि

उचित विशेषण शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

प्रसिद्ध	दृढ़	पवित्र	सम्राट	नैसर्गिक	विशाल	प्राचीन
कुशल	विषम	अथक	बहुत	आचार्य	भव्य	अनाथ

जीवक **प्राचीन** भारत के **प्रसिद्ध** आयुर्वेदाचार्य थे। उनके अंदर **नैसर्गिक** प्रतिभा थी। जीवक को बचपन में जब पता चला कि वह **अनाथ** बालक है, तो उन्हें **बहुत** कष्ट हुआ था। **सम्राट** बिंबिसार के पुत्र अभय ने उन्हें मिट्टी के ढेर पर पाया। चूँकि वे **विषम** परिस्थितियों में भी जीवित रहे इसलिए उनका नाम जीवक रखा गया। जीवक ने **दृढ़** निश्चय किया कि मैं **अथक** परिश्रम से योग्यता प्राप्त करूँगा। उन्होंने तक्षशिला विश्वविद्यालय से शिक्षा प्राप्त की और **कुशल** वैद्य बन गए। वहाँ से चलकर वे **भव्य** नगरी अयोध्या पहुँचे। **पवित्र** मंदिरों और **विशाल** भवनों वाली इस नगरी में उन्होंने वहाँ के वैद्यों से मिलने का विचार बनाया और अयोध्या के वैद्य **आचार्य** देवदत्त से मिलने गए।

11. क्रिया

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) क्रिया की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए।

किसी कार्य के होने या करने का बोध कराने वाले शब्दों को क्रिया कहते हैं। जैसे – खेलना, गाना, पढ़ना आदि।

(ख) सकर्मक क्रिया के भेदों में अंतर बताइए।

सकर्मक क्रिया के दो भेद हैं – एककर्मक क्रिया, द्विकर्मक क्रिया।

वे सकर्मक क्रियाएँ जिनमें केवल एक ही कर्म हो एककर्मक क्रिया कहलाती हैं तथा वे सकर्मक क्रियाएँ, जिनमें दो कर्म हों, द्विकर्मक क्रियाएँ कहलाती हैं।

(ग) रचना के आधार पर क्रिया के कितने भेद होते हैं?

रचना के आधार पर क्रिया के पाँच भेद हैं–

1. सामान्य क्रिया 2. संयुक्त क्रिया 3. प्रेरणार्थक क्रिया
4. नामधातु क्रिया 5. पूर्वकालिक क्रिया

(घ) प्रेरणार्थक क्रिया की विशेषता बताइए।

प्रेरणार्थक क्रिया की विशेषता है कि इसमें प्रेरणा देकर किसी और से काम करवाया जाता है। जैसे – नानी ने बच्चे को झूला झुलवाया।

(ङ) नामधातु क्रिया किसे कहते हैं?

इस क्रिया की मूल धातु नाम (संज्ञा) होते हैं। नामधातु क्रिया किसी संज्ञा, सर्वनाम या विशेषण में 'ना' जोड़कर बनाई जाती है; जैसे – झूठ – झुठलाना, दुख – दुखाना आदि।

2. निम्नलिखित कथन सही हैं या गलत चिह्न द्वारा बताइए।

(क) अकर्मक क्रिया में कर्म नहीं होता। ✓

(ख) एक क्रिया सकर्मक भी हो सकती है और प्रेरणार्थक क्रिया भी। ✓

(ग) क्रिया के मूल रूप को कर्म कहते हैं। ✗

(घ) सकर्मक क्रिया का एक भेद द्विकर्मक क्रिया भी है। ✓

3. उचित शब्द से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) क्रिया का मूल रूप **धातु** कहलाता है।

(ख) नामधातु क्रिया के अंत में **ना** लगा होता है।

(ग) कर्म के आधार पर क्रिया के भेद **अकर्मक** और **सकर्मक** होते हैं।

(घ) क्रिया से कर्ता के **लिंग, वचन** और **काल** का बोध हो जाता है।

4. निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया शब्द छाँटकर लिखिए।

(क) हमने पेड़ लगाए।	**लगाए**
(ख) विज्ञापन कार्यक्रमों से अच्छे लगते हैं।	**लगते हैं**
(ग) चोर सिर पर पाँव रखकर भागा।	**रखकर भागा**
(घ) बाल दिवस धूमधाम से मनाएँगे।	**मनाएँगे**
(ङ) कुछ ठंडा पिलाओ।	**पिलाओ**

5. वाक्यों में अकर्मक–सकर्मक क्रिया रेखांकित करके भेद भी लिखिए।

(क) राष्ट्रगान के समय सभी <u>खड़े हो गए</u>।	**अकर्मक**
(ख) मेहमान <u>आए</u> और उपहार <u>लाए</u>।	**अकर्मक, सकर्मक**
(ग) माली पौधे <u>छाँट-काट रहा है</u>।	**सकर्मक**
(घ) बच्चा <u>सो रहा है</u>।	**अकर्मक**
(ङ) सँपेरे ने साँप का खेल <u>दिखाया</u>।	**सकर्मक**

6. रचना के आधार पर क्रिया का भेद चुनिए।

(क) वह कोलकाता से आया। (**सामान्य**, संयुक्त, प्रेरणार्थक क्रिया)

(ख) लोटा भरकर दूध ले आओ। (प्रेरणार्थक, **पूर्वकालिक क्रिया**, सामान्य क्रिया)

(ग) ज़रा उसे ठीक से समझाओ। (नामधातु, प्रेरणार्थक, **सामान्य क्रिया**)

(घ) हाँ, आज ही यह काम करो। (संयुक्त, **सामान्य**, प्रेरणार्थक क्रिया)

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'मैं बीमार हूँ।'–वाक्य में क्रिया का भेद है–

(i) अकर्मक	☐	(ii) सकर्मक	☑
(iii) नामधातु	☐	(iv) पूर्वकालिक	☐

(ख) पूर्वकालिक क्रिया किसे कहते हैं?

(i) जिसमें दो कर्म हों ☐

(ii) जो संज्ञा या सर्वनाम से बने ☐

(iii) जो मुख्य क्रिया से पहले हो ☑

(iv) जिस क्रिया में दो पद हों ☐

(ग) प्रेरणार्थक क्रिया का उदाहरण नहीं है–

(i) किसान ने पक्षियों को उड़वाया। ☐

(ii) मैंने बच्चे को पतंग दिलाई। ☑

(iii) माँ ने नौकर से खाना पकवाया। ☐

(iv) कैप्टन गेंदबाज़ों से मैच जितवाता है। ☐

(घ) सकर्मक क्रिया की पहचान है–

(i) वाक्य में जो मुख्य कार्य करे ☐

(ii) क्रिया का फल कर्म पर पड़ना ☑

(iv) दो कर्म होना ☐

(iv) मूल क्रिया में 'वा' प्रत्यय जोड़ना ☐

रचनात्मक गतिविधि

- **नीचे दिए क्रिया के मूल रूप शब्दों से सकर्मक, प्रेरणार्थक एवं पूर्वकालिक क्रिया के रूप में प्रयोग करते हुए दस वाक्य लिखिए।**

खा	सुन	ले	पढ़	दे	हट	हँस
कर	उठ	रो	लग	जीत	बना	भर

मेरा नाम सुरभि है। मुझे आम **खा**ना पसंद है। मुझे **हँसकर** जीवन में आगे बढ़ने वाले लोग पसंद हैं। **पढ़ाई** करना भी मुझे अच्छा **लग**ता है। थोड़ी-सी परेशानी में **रो** देना, बहादुर इनसान की पहचान नहीं है। मुझे नई-नई चीज़ें **बना**ते रहने में, सबको **दे**ते रहने में असीम खुशी मिलती है। किसी का कष्ट **सुन**कर **रो उठ**ने वाला दिल ही इनसानियत का सबक सिखा सकता है। किसी का कष्ट **ले** लेना और किसी की झोली खुशियों से **भर** देना ही हमें दूसरों से **हट**कर अलग मार्ग पर ले जाता है। यही मानवता की सच्ची **जीत** है।

12. काल

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) व्याकरण में क्रिया के काल का अर्थ बताइए।

क्रिया के जिस रूप से उसके होने के समय का बोध हो, उसे व्याकरण में काल (समय) कहते हैं।

(ख) क्रिया के कितने काल हैं?

क्रिया के तीन काल हैं–

1. वर्तमान काल 2. भूतकाल 3. भविष्यत् काल

(ग) भूतकाल के सभी भेदों के नाम बताइए। उदाहरण भी दीजिए।

भूतकाल के छह भेद हैं–

1. सामान्य भूतकाल – मैंने पानी पी लिया।
2. आसन्न भूतकाल – बारिश रुक गई है।
3. पूर्ण भूतकाल – बच्चा सो गया था।
4. अपूर्ण भूतकाल – कुत्ता भौंक रहा था।
5. संदिग्ध भूतकाल – वह जा चुका होगा।
6. हेतुहेतुमद भूतकाल – माँ दवा लेतीं तो जल्दी ठीक हो जातीं।

(घ) अपूर्ण वर्तमान काल को समझाइए।

जहाँ काम जारी हो, पूरा न हुआ हो, उसे अपूर्ण वर्तमान काल कहेंगे। जैसे– फुलवारी महक रही है।

2. दिए गए वाक्यों की क्रियाओं के काल एवं उपभेद लिखिए।

(क) समीर कविता लिख चुका होगा।	**भूतकाल**	**संदिग्ध**
(ख) यदि तुम नहीं सोते तो रसगुल्ला मिलता।	**भूतकाल**	**हेतुहेतुमद**
(ग) संभवतः आज बारिश होगी।	**भविष्यत् काल**	**संदिग्ध**
(घ) गाड़ी रुक गई है।	**भूतकाल**	**आसन्न**
(ङ) माता ने तुम्हें बुलाया होगा।	**भूतकाल**	**संदिग्ध**
(च) तुम चाहते, तो सब ठीक हो जाता।	**भूतकाल**	**हेतुहेतुमद**

3. निर्देशानुसार वाक्य बदलकर लिखिए।

(क) वह मेरे घर आ गया। (संभाव्य भविष्यत्)

शायद वह मेरे घर आए।

(ख) तुम जाग रहे हो। (हेतुहेतुमद भूतकाल)

कम खाते तो तुम जाग रहे होते।

(ग) उसने मेरी प्रशंसा की होगी। (अपूर्ण वर्तमान)

वह मेरी प्रशंसा कर रही है।

4. दी गई क्रियाओं को तीनों कालों में लिखिए।

(क) गाना	गाया, गाता, गाएगा		(ख) खाना	खाया, खाता, खाएगा
(ग) देखना	देखा, देखता, देखेगा		(घ) हँसना	हँसा, हँसता, हँसेगा
(ङ) चलना	चला, चलता, चलेगा		(च) रोना	रोया, रोता, रोएगा

5. वाक्यों को उनके उचित काल से मिलाइए।

(क) मामा ने चित्र बनाया।	सामान्य भविष्यत् काल
(ख) रानी अभी-अभी गई है।	हेतुहेतुमद भूतकाल
(ग) संभवतः अधिकारी दौरे पर आएँ।	सामान्य भूतकाल
(घ) तुम आते, तो मैं भी चलता।	पूर्ण भूतकाल
(ङ) तुम कब तक आओगे?	आसन्न भूतकाल
(च) डाकुओं की योजना विफल हो गई थी।	संभाव्य भविष्यत् काल

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) अपूर्ण भूतकाल वाला वाक्य है–

(i) वर्षा हो रही थी। ☑ (iii) वे चले गए। ☐

(ii) बिजली चली गई थी। ☐ (iv) वे अभी गए हैं। ☐

(ख) 'वे शायद आज आ जाएँ।'–वाक्य का काल है–

(i) संदिग्ध वर्तमान ☐ (iii) संदिग्ध भूत ☐

(iii) संभाव्य भविष्यत् ☑ (iv) हेतुहेतुमद भूत ☐

(ग) कौन-सा काल का भेद नहीं है?

(i) हेतुहेतुमद भूत	☐	(iii) हेतुहेतुमद वर्तमान	✓
(iii) आसन्न भूत	☐	(iv) संभाव्य भविष्यत्	☐

(घ) अपूर्ण वर्तमान की पहचान है–

(i) रहा होगा	☐	(ii) रहा है	✓
(iii) रहेगा	☐	(iv) रहा था	☐

रचनात्मक गतिविधि

- **कहानी के अंश को पढ़िए तथा उसमें आए काल के भेदों को पहचानकर लिखिए।**

जिमी, कल सुबह तुम यहाँ से रिहा कर दिए जाओगे (सामान्य भविष्यत्)। जेल के वार्डन ने जिमी को रिहाई पत्र थमाते हुए कहा (आसन्न भूतकाल)। कागज़ थामते हुए जिमी ने कोई उत्सुकता नहीं दिखाई (सामान्य भूतकाल)। चार वर्ष की कैद में से वह दस महीने की सज़ा काट चुका था (पूर्ण भूतकाल)। उसे उम्मीद थी कि जेल में और तीन महीने ही रहना पड़ेगा (सामान्य भविष्यत्)। क्योंकि उसका दोस्त उसकी सज़ा माफ़ करवाने की कोशिश में लगा था (पूर्ण भूतकाल)। "तो जिमी", वार्डन ने उसे समझाते हुए कहा, (सामान्य भूतकाल) "अब आदमी बनकर दिखाओ। मैं जानता हूँ कि तुम दिल के बहुत भले हो (सामान्य वर्तमान)। अब ये तिज़ोरियाँ तोड़ना छोड़ो।" (सामान्य भविष्यत्) "क्रोनिन, इसे ले जाओ"। (हेतुहेतुमद)। वार्डन ने मुसकराते हुए कहा (आसन्न भूतकाल)। "सुबह सात बजे इसे रिहा कर देना।" (सामान्य भविष्यत्)। वार्डन का मानना था (सामान्य भूतकाल) कि जिमी अपना शेष जीवन एक नेक नागरिक की भाँति व्यतीत करेगा (संभाव्य भविष्यत्)। जेल के रजिस्टर में जिमी के आगे 'गवर्नर द्वारा क्षमादान' लिख दिया गया था (पूर्ण भूतकाल)। जिमी बाहर की खिली धूप में निकल आया (आसन्न भूतकाल)। वह स्टेशन की ओर चल पड़ा (आसन्न भूतकाल)। तीन घंटे बाद वह डॉटन कैफ़े में था (आसन्न भूतकाल)। जहाँ उसका दोस्त माइक उसका इंतज़ार कर रहा था (अपूर्ण भूतकाल)।

13. अविकारी शब्द (अव्यय)

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) क्रियाविशेषण की परिभाषा तथा भेद उदाहरण सहित लिखिए।

क्रिया की विशेषता बताने वाले शब्दों को क्रियाविशेषण कहते हैं। जैसे– सौम्या **खूब** पढ़ती है। इस वाक्य में 'खूब' शब्द 'पढ़ती' क्रिया की विशेषता बता रहा है, इसलिए यह क्रियाविशेषण शब्द है।

क्रियाविशेषण के चार भेद हैं–

1. कालवाचक – क्रिया के काल या समय के विषय में बताने वाले – दूध **प्रतिदिन** पीना चाहिए।
2. स्थानवाचक – क्रिया के होने का स्थान बताने वाले – **यहाँ** बैठ जाओ।
3. परिमाणवाचक – क्रिया की मात्रा बताने वाले – **बहुत** सो चुके, अब उठ जाओ।
4. रीतिवाचक – क्रिया के होने का तरीका बताने वाले – बौना **ज़ोर-से** हँसने लगा।

(ख) विशेषण और क्रियाविशेषण में क्या अंतर है। स्पष्ट कीजिए।

विशेषण शब्द संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताते हैं, जबकि क्रियाविशेषण शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं; जैसे–

कविता ने **सुंदर** कपड़े पहने हैं। – विशेषण

ज़्यादा सोने से सुस्ती आती है। – क्रियाविशेषण

(ग) समुच्चयबोधक की परिभाषा लिखिए।

जो शब्द दो शब्दों, वाक्यांशों, वाक्यों या उपवाक्यों को जोड़ता है, वह समुच्चयबोधक कहलाता है। इसे योजक भी कहते हैं जैसे– एवं, व, या, अथवा, इसलिए, लेकिन, परंतु, मानो, यद्यपि ताकि, अन्यथा।

(घ) संबंधबोधक और क्रियाविशेषण में अंतर बताइए।

संबंधबोधक अव्यय शब्दों से संज्ञा या सर्वनाम का संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों से जाना जाता है। जबकि क्रियाविशेषण शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, जैसे– बंदर छत **के ऊपर** बैठा था। (संबंधबोधक) **प्रतिदिन** व्यायाम करना चाहिए– (क्रियाविशेषण)

(ङ) विस्मयादिबोधक के बारे में तीन बातें लिखिए।

1. विस्मयादिबोधक का रूप लिंग, वचन, काल आदि के अनुसार नहीं बदलता है।
2. इनका प्रयोग वाक्य के आरंभ में ही होता है।
3. इनके साथ विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगाया जाता है।

2. निम्नलिखित वाक्यों में क्रियाविशेषण रेखांकित कीजिए और उनका भेद लिखिए।

(क) अंकिता धीरे-धीरे लिखती है। — **रीतिवाचक**

(ख) मेहमान रात भर रहेंगे। — **कालवाचक**

(ग) खूब मेहनत कीजिए। — **परिमाणवाचक**

(घ) रसोइया ऊँचा सुनता है। — **परिमाणवाचक**

(ङ) अपना काम ध्यानपूर्वक कीजिए। — **रीतिवाचक**

(च) वह चुपचाप खिसक गया। — **रीतिवाचक**

3. उचित क्रियाविशेषण द्‌वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) **यहाँ** कौन बैठा है? (यहाँ, बताओ, देखो)

(ख) **अधिक** मत बोलो। (अधिक, तुम, सब)

(ग) **अब** क्यों हँसने लगे। (तुम, अब, सब)

(घ) पतंग **ऊँचाई पर** उड़ रही है। (रंगीन, सुंदर, ऊँचाई पर)

(ङ) **अब** बिजली चली गई। (अरे! सुनो, अब)

(च) देश में **बहुत** अशांति है। (अच्छी, बहुत, कई दिनों से)

4. उचित समुच्चयबोधक, संबंधबोधक अथवा विस्मयादिबोधक द्‌वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) रंजीता कल नहीं आएगी **क्योंकि** उसे कुछ काम है।

(ख) नदी **के किनारे** नाव बँधी है।

(ग) हास्य नाटक देखा **इसलिए** खूब हँसे।

(घ) **वाह!** क्या चित्र बनाया है?

(ङ) अमित **और** मनीषा के अंक बराबर आए।

(च) किरण के **अलावा** किसी और पर मुझे भरोसा नहीं।

(छ) **बचो!** बस बेकाबू हो गई।

5. समुच्चयबोधक शब्द पहचानकर रेखांकित कीजिए।

(क) रीमा और अभिषेक भाई-बहन हैं।

(ख) काव्या अच्छे चित्र बनाती है, पर दामिनी को चित्रकारी नहीं आती।

(ग) खुशी ने परीक्षा के लिए मेहनत की, इसलिए प्रथम आ गई।

(घ) डिंपल का वज़न बढ़ता ही जा रहा है क्योंकि वह व्यायाम नहीं करती।

6. निम्नलिखित वाक्यों में संबंधबोधक को पहचानिए और रेखांकित कीजिए।

(क) कक्ष के अंदर उपकरण रखे हैं।

(ख) दाम के आगे नाम कौन पूछता है?

(ग) सरदी के कारण वह रात भर ठिठुरती रही।

(घ) गोपियों को कृष्ण के बिना सब सूना लगता था।

(ङ) छवि का स्वभाव ज्योति के विपरीत है।

7. संबंधबोधक एवं विस्मयादिबोधक संबंधी अशुद्धियाँ दूर करके वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) भाई के बिना बहन भी आई है।	**भाई के साथ बहन भी आई है।**
(ख) घर के विपरीत पार्क है।	**घर के सामने पार्क है।**
(ग) कोट के समीप कमीज़ पहनी है।	**कोट के नीचे कमीज़ पहनी है।**
(घ) छत की भाँति मोर नाच रहे हैं।	**छत के ऊपर मोर नाच रहे हैं।**
(ङ) छिः! कितना सुंदर तोता है।	**वाह! कितना सुंदर तोता है।**
(च) खूब! बहुत दर्द हो रहा है।	**उफ़! बहुत दर्द हो रहा है।**
(छ) उफ़! ये इनाम मुबारक हो।	**शाबाश! ये इनाम मुबारक हो।**

बहुविकल्पी प्रश्न

8. उचित विकल्प चुनिए।

(क) रीतिवाचक क्रियाविशेषण है–

(i) ऊपर ☐ (ii) बाहर ☐

(iii) ध्यानपूर्वक ☑ (iv) देर ☐

(ख) 'उतना' क्रियाविशेषण के किस भेद में आएगा?

(i) स्थानवाचक	☐	(ii) परिमाणवाचक	☑
(iii) कालवाचक	☐	(iv) रीतिवाचक	☐

(ग) कालवाचक क्रियाविशेषण नहीं है –

(i) अब	☐	(ii) बाद में	☐
(iii) आजकल	☐	(iv) वहाँ	☑

(घ) इनमें से संबंधबोधक नहीं है –

(i) के ऊपर	☐	(ii) लेकिन	☑
(iii) की ओर	☐	(iv) से अलग	☐

(ङ) शोक या दुख का बोध कराने वाला उचित विस्मयादिबोधक है –

(i) बाप रे!	☐	(ii) धत्!	☐
(iii) हटो!	☐	(iv) हे राम!	☑

रचनात्मक गतिविधि

कहानी के इस अंश में समुच्चयबोधक एवं संबंधबोधक संबंधी त्रुटियाँ हैं। रंगीन शब्दों के स्थान पर सही समुच्चयबोधक एवं संबंधबोधक का प्रयोग कर कहानी का अंश दोबारा लिखिए।

यह मैंने आज ही जाना क्योंकि एक फुट धूल वाली सड़क भी पक्की कहला सकती है। मेरे दोस्तों ने कहा था इसलिए साइकिल से ऊपर चढ़ना ताकि आ जाना। धूल भी मैदे की अपेक्षा बारीक होने के कारण हवा से भी बाज़ी मारती थी। मेरी नाक के सामने इतनी जमा हो गई ताकि मुझे कोई मिल जाए तो पहचान न सके। उतनी धूल में तो ब्रह्मा नामक कुम्हार मेरे जैसा मिट्टी का एक और पुतला गढ़ देता।

यह मैंने आज ही जाना **कि** एक फुट धूल वाली सड़क भी पक्की कहला सकती है। मेरे दोस्तों ने कहा था **कि** साइकिल के ऊपर चढ़ना और आ जाना। धूल भी मैदे की **तरह** बारीक होने के कारण हवा से भी बाजी मारती थी। मेरी नाक के **ऊपर** इतनी जमा हो गई **कि** कोई मुझे कोई मिल जाए तो पहचान न सके। उतनी धूल में तो ब्रह्मा नामक कुम्हार मेरे जैसा मिट्टी का एक और पुतला गढ़ देता।

14. विराम-चिह्न

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) विराम-चिह्न से आप क्या समझते हैं? लिखिए।

जिन चिह्नों का प्रयोग लिखते-पढ़ते समय, शब्दों के बीच विराम, अंतर तथा कथन के भाव-अर्थ को स्पष्ट करने के लिए किया जाए, वे विराम-चिह्न कहलाते हैं।

(ख) अल्पविराम और अर्ध विराम का अंतर लिखिए।

अल्पविराम में थोड़ा रुका जाता है। बोलते या लिखते समय, अनेक वस्तुओं का वर्णन करते समय शब्दों और वाक्यों को अलग करने के लिए इसका प्रयोग होता है जैसे– रामायण, महाभारत, बाइबिल, माँ ने कहा, "जल्दी जाओ, बाज़ार बंद होने वाला है।" जबकि अर्ध विराम में अल्पविराम की अपेक्षा अधिक रुका जाता है। जैसे– चाहे रुको; चाहे जाओ तुम्हारी मर्जी।

(ग) उद्धरण चिह्न और कोष्ठक में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।

उद्धरण चिह्न दो रूपों में प्रयुक्त होता है। इकहरा चिह्न किसी व्यक्ति के उपनाम, रचना आदि में प्रयुक्त होता है; जैसे – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और दोहरा उद्धरण चिह्न किसी कथन को ज्यों का त्यों लिखने के लिए प्रयुक्त करते हैं; जैसे – तिलक ने कहा, "स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।" जबकि कोष्ठक का प्रयोग किसी शब्द को और अधिक स्पष्ट करने के लिए करते हैं; जैसे – पीछे से मुकुल (मीना का बड़ा भाई) उसे पुकारते हुए दौड़ा चला आ रहा था।

(घ) इकहरे और दोहरे उद्धरण चिह्न में क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए।

उद्धरण चिह्न का इकहरा रूप किसी व्यक्ति के उपनाम, रचना आदि में प्रयुक्त होता है; जैसे– सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' और दोहरा उद्धरण चिह्न किसी कथन को ज्यों का त्यों लिखने के लिए प्रयुक्त करते हैं। जैसे– तिलक ने कहा, "स्वतंत्रता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है।"

2. **विराम-चिह्नों और उनके नामों का सही मिलान कीजिए।**

(क) प्रश्नसूचक चिह्न	‸
(ख) अल्पविराम	।
(ग) योजक चिह्न	?
(घ) लाघव चिह्न	“ ”
(ङ) पूर्णविराम	—
(च) निर्देशक चिह्न	०
(छ) त्रुटिपूरक चिह्न	,
(ज) उद्धरण चिह्न	-

3. **सही कथन पर सही (✓) और गलत कथन पर (✗) का निशान लगाइए।**

(क) योजक और निर्देशक चिह्न समान हैं। ✗

(ख) अल्पविराम शब्दों और उपवाक्यों के बीच लगाया जाता है। ✓

(ग) लाघव चिह्न किसी के कथन को ज्यों-का-त्यों लिखते समय लगाया जाता है। ✗

(घ) पूर्णविराम वाक्यों के बाद सबसे अधिक आने वाला चिह्न है। ✓

(ङ) उद्धरण चिह्न दो तरह के होते हैं—इकहरे और दोहरे। ✓

4. **उचित विराम-चिह्न लगाकर वाक्य दोबारा लिखिए।**

(क) वह चिल्लाया मैं बहरा नहीं हूँ — **वह चिल्लाया, “मैं बहरा नहीं हूँ।”**

(ख) कुणाल क्या मैं आ सकता हूँ — **कुणाल– “क्या मैं आ सकता हूँ?**

(ग) मम्मी पापा और मैं बाज़ार गए — **मम्मी-पापा और मैं बाज़ार गए।**

(घ) शाबाश बहुत अच्छा काम किया — **शाबाश! बहुत अच्छा काम किया।**

(ङ) डॉ अब्दुल कलाम महान हैं — **डॉ० अब्दुल कलाम महान हैं।**

बहुविकल्पी प्रश्न

5. **उचित विकल्प चुनिए।**

(क) किसी के उपनाम, रचना आदि दिखाने के लिए विराम-चिह्न प्रयुक्त होता है—

(i) अद्र्ध विराम ☐ (iii) निर्देशक चिह्न ☐

(ii) उद्धरण चिह्न ✓ (iv) योजक चिह्न ☐

(ख) सामान्य वाक्य के अंत में लगाया जाने वाला विराम चिह्न है –

(i) प्रश्नवाचक	☐	(iii) पूर्णविराम	☑
(ii) विस्मयादिबोधक	☐	(iv) अल्पविराम	☐

(ग) इनमें से विराम चिह्न का नाम नहीं है –

(i) कोष्ठक चिह्न	☐	(iii) उद्धरण चिह्न	☐
(ii) योजक चिह्न	☐	(iv) अलगाव चिह्न	☑

15. शब्द-भंडार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) पर्यायवाची और एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्दों में क्या अंतर है?

समान अर्थ देने वाले शब्दों को पर्यायवाची कहते हैं। जैसे– पानी – नीर, जल, तोय आदि।

कुछ शब्द अर्थ में भिन्न होते हैं परंतु समान अर्थ वाले प्रतीत होते हैं, ऐसे शब्दों को एकार्थक प्रतीत होने वाले शब्द कहा जाता है। जैसे– निर्बल – जिसमें वांछित बल न हो

दुर्बल – रोगादि के कारण बल की कमी

(ख) वाक्यांशों के लिए एक शब्द की क्या विशेषता है?

वाक्यांशों के लिए एक शब्द की विशेषता है कि ये भाषा के अनावश्यक विस्तार से बचाते हैं। समय और संसाधन की बचत करते हैं। लेखन में संक्षिप्तता और सौम्यता का गुण लाते हैं।

(ग) **अनेकार्थक शब्द किन्हें कहते हैं?**

एक से अधिक अर्थ में प्रयुक्त होने वाले शब्द अनेकार्थक शब्द कहलाते हैं। जैसे– काल – मृत्यु, समय।

2. दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

(क)	नारी	**स्त्री, औरत**	(ख)	कमल	**सरोज, जलज**
(ग)	मछली	**मीन, मकर**	(घ)	यमुना	**कृष्णा, कालिंदी**
(ङ)	तलवार	**कृपाण, असि**	(च)	किनारा	**तट, कूल**
(छ)	अतिथि	**मेहमान, आगंतुक**	(ज)	नाव	**नौका, तरी**

3. विपरीतार्थक शब्द लिखिए।

(क)	क्रय	**विक्रय**	स्मृति	**विस्मृति**	देश	**विदेश**	पक्ष	**विपक्ष**
(ख)	मान	**अपमान**	यश	**अपयश**	आरोह	**अवरोह**	उचित	**अनुचित**
(ग)	उपस्थित	**अनुपस्थित**	उपयोगी	**अनुपयोगी**	सफल	**असफल**	चल	**अचल**

4. गलत शब्दों के स्थान पर सही शब्द लिखकर वाक्य दोबारा लिखिए।

(क) आज बेला का **परिमाण** आने वाला है।

आज बेला का **परिणाम** आने वाला है।

(ख) रोग के कारण उसकी यह **दिशा** हो गई।

रोग के कारण उसकी यह **दशा** हो गई।

(ग) यह रास्ता पूर्व **दशा** की तरफ़ जाता है।

यह रास्ता पूर्व **दिशा** की तरफ़ जाता है।

(घ) वह स्वभाव से बहुत **उधार** है।

वह स्वभाव से बहुत **उदार** है।

(ङ) राकेश लाला जी का **उदार** चुकाना भूल गया।

राकेश लाला जी का **उधार** चुकाना भूल गया।

5. प्रत्येक शब्द के लिए एक वाक्यांश लिखिए।

(क) **परोक्ष** – जो आँखों के सामने न हो।

(ख) **अल्पभाषी** – कम बोलने वाला।

(ग) **अप्रत्याशित** – जिसकी आशा न हो।

(घ) **अथाह** – जिसकी थाह न हो।

(ङ) **वाचाल** – अधिक बोलने वाला।

(च) **त्रिकोण** – तीन कोणों वाला।

(छ) **शरणागत** – शरण में आया हुआ।

(ज) **अंतर्राष्ट्रीय** – कई राष्ट्रों से संबंधित

6. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अर्थ लिखिए।

(क)	गति	**दशा, मोक्ष**	(ख)	अरुण	**लाल, सूर्य का सारथी**
(ग)	वंश	**जाति, खानदान**	(घ)	कर्ण	**कान, कुंती का पुत्र**
(ङ)	भूत	**बीता हुआ कल, प्रेत**	(च)	योग	**ध्यान, युक्ति**

7. उपयुक्त शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(क) अध्यापक ने छात्रों को कार्यक्रम की **आज्ञा** दी। (अनुमति/आज्ञा)

दादा जी ने सभी को पिकनिक जाने की **अनुमति** दी।

(ख) माँ की **इच्छा** थी कि वे तीर्थ यात्रा पर जाएँ। (आशा/इच्छा)

उसे **आशा** थी कि वह प्रथम आएगा।

(ग) यातायात के नियमों को तोड़ना **अपराध** है। (अपराध/पाप)

किसी पर अत्याचार करना **पाप** है।

बहुविकल्पी प्रश्न

8. उचित विकल्प चुनिए।

(क) असंगत पर्यायवाची छाँटिए–

(i) समुद्र ☐ (ii) रत्नाकर ☐ (iii) तटिनी ☑ (iv) सिंधु ☐

(ख) कौन-से शब्दों का अर्थ समान लगता है पर उनमें सूक्ष्म भेद होता है–

(i) एकार्थी ☑ (ii) अनेकार्थी ☐

(iii) पर्यायवाची ☐ (iv) विलोम ☐

(ग) समूहवाची शब्द बोध कराते हैं–

(i) समूह ☑ (ii) युग्म ☐

(iii) समान अर्थ ☐ (iv) भिन्न अर्थ ☐

(घ) 'रात-दिन' शब्दों का प्रकार है–

(i) एकार्थी ☐ (ii) विलोम ☑

(iii) पर्यायवाची ☐ (iv) अनेकार्थी ☐

रचनात्मक गतिविधि

- **शब्द-भंडार में आपने पर्यायवाची, विलोम, एकार्थी प्रतीत होने वाले, अनेकार्थी, समरूपी भिन्नार्थक तथा अनेक शब्दों के लिए एक शब्द पढ़े। सभी प्रकार के पाँच-पाँच शब्द लिखिए।**

पर्यायवाची	विलोम	एकार्थी प्रतीत होने वाले
मनुष्य	सौभाग्य-दुर्भाग्य	अनुसंधान-आविष्कार
नर	जड़-चेतन	लज्जा-ग्लानि
आदमी	निंदा-स्तुति	सभ्यता-संस्कृति
मनुज	मित्र-शत्रु	सहयोग-सहायता
व्यक्ति	सार्थक-निरर्थक	प्रेम-स्नेह

अनेकार्थी	समरूपी भिन्नार्थक	अनेक शब्दों के लिए एक शब्द
भेद	चिर–चीर	जो सब जगह व्याप्त हो – सर्वव्यापी
मुद्रा	दूत–द्यूत	जीने की प्रबल इच्छा – जिजीविषा
अज	अंश–अंस	जिसमें कोई विकार न हो – निर्विकार
नग	शर–सर	उपकार माननेवाला – कृतज्ञ
पृष्ठ	दिन–दीन	जिसे कोई जानकारी न हो – अनभिज्ञ

चित्र देखिए और अनेकार्थी शब्द लिखिए–

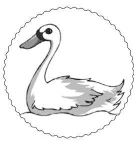

हंस

आत्मा

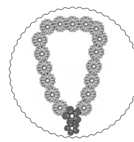

माला

पराजय

पद

उपाधि

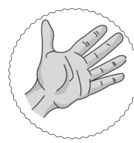

टैक्स

कर

16. उपसर्ग व प्रत्यय

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) उपसर्ग एवं प्रत्यय में अंतर लिखिए।

'उपसर्ग' भाषा की वह स्वतंत्र इकाई है, जिसे शब्दों के पहले जोड़कर शब्द को विशेष अर्थ दिया जा सकता है जबकि 'प्रत्यय' शब्द के अंत में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता लाने वाले शब्दांश हैं।

(ख) उपसर्ग के प्रकार कौन-कौन से हैं?

उपसर्ग के चार प्रकार हैं–

1. संस्कृत के उपसर्ग
2. हिंदी के उपसर्ग
3. उर्दू के उपसर्ग
4. संस्कृत के अव्यय

(ग) प्रत्ययों के भेदों के बारे में संक्षेप में बताइए।

प्रत्यय के दो भेद होते हैं– कृत् प्रत्यय और तद्धित प्रत्यय। धातु अथवा क्रिया के मूल रूप में जुड़कर नया शब्द बनाने वाले प्रत्यय कृत् प्रत्यय कहलाते हैं तथा संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण आदि में जुड़कर नए शब्द बनाने वाले प्रत्यय तद्धित प्रत्यय कहलाते हैं।

2. उपसर्ग और मूल शब्द अलग करके लिखिए।

(क)	बेगुनाह	**बे + गुनाह**	(ख)	अचल	**अ + चल**
(ग)	अधपका	**अध + पका**	(घ)	निडर	**नि + डर**
(ङ)	बदतमीज़	**बद + तमीज़**	(च)	सुमार्ग	**सु + मार्ग**
(छ)	अहिंसा	**अ + हिंसा**	(ज)	अंतर्मन	**अंतर् + मन**
(झ)	सुयश	**सु + यश**	(ञ)	विफल	**वि + फल**

3. उचित उपसर्ग अथवा प्रत्यय लगाकर नया शब्द बनाइए।

(क)	गुण	**गुणवान**	(ख)	इलाज	**लाइलाज**
(ग)	आनंद	**आनंदित**	(घ)	कानूनी	**गैरकानूनी**
(ङ)	खिला	**खिलाना/अधखिला**	(च)	मर	**अमर**
(छ)	समझ	**समझदार**	(ज)	जय	**पराजय**
(झ)	मार्ग	**कुमार्ग**	(ञ)	भूख	**भूखा**

4. निम्नलिखित वाक्यों में से उपसर्ग वाला शब्द चुनकर अलग कीजिए।

(क) वाह! क्या खुशबू है। **खुशबू**

(ख) आपकी बीमारी लाइलाज नहीं है। **लाइलाज**

(ग) प्रबल इच्छा के आगे विजय को कोई रोक नहीं सकता। **प्रबल, विजय**

(घ) मेरे छोटे भाई का नाम अनुज है। **अनुज**

5. मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग कीजिए।

(क) पढ़ाई	**पढ़ + आई**	(ख) गरमी	**गरम + ई**
(ग) हँसी	**हँस + ई**	(घ) सुंदरता	**सुंदर + ता**
(ङ) गरमाहट	**गरम + आहट**	(च) नैतिक	**नीति + इक**
(छ) पत्रकार	**पत्र + कार**	(ज) सम्मानित	**सम्मान + इत**

6. निम्नलिखित शब्दों से ऐसे शब्द बनाइए जिनमें उपसर्ग एवं प्रत्यय दोनों लगे हों।

(क) व्यवहार	**अव्यवहारिक**	(ख) डर	**निडरता**
(ग) उत्साह	**निरुत्साहित**	(घ) गुण	**दुर्गुणी**
(ङ) देश	**विदेशी**	(च) इंसान	**गैरइंसानी**

बहुविकल्पी प्रश्न

7. उचित विकल्प चुनिए।

(क) उपसर्ग और प्रत्यय दोनों के प्रयोग से बना शब्द है–

(i) खुशबूदार ☑ (ii) ईमानदार ☐
(iii) पराजय ☐ (iv) अंतर्मन ☐

(ख) 'इयल' प्रत्यय से बना शब्द नहीं है–

(i) मरियल ☐ (ii) अड़ियल ☐
(iii) नारियल ☑ (iv) सड़ियल ☐

(ग) किस शब्द में उपसर्ग का प्रयोग नहीं हुआ है–

(i) निर्भर ☐ (ii) प्रबल ☐
(iii) आजीवन ☐ (iv) कुमार ☑

(घ) वह शब्द छाँटिए, जिसमें दो प्रत्यय हैं–

(i) परोपकारी ☐ (ii) जादूगरनी ☑
(iii) चतुराई ☐ (iv) सामाजिक ☐

रचनात्मक गतिविधि

- **संकेतों की सहायता से शब्द-सीढ़ी को उपसर्ग एवं प्रत्ययों के योग से बनने वाले शब्दों से पूरा कीजिए।**

संकेत

1. जो दूसरों पर दया करे
2. मन को लुभाने वाला
3. जो पसंद न हो
4. राजा के दरबार में काम करने वाला
5. रीझने (मोहित होने) का भाव
6. जिसका नाश हो सकता है
7. जिसने नकाब ओढ़ रखा हो
8. 'नाक' प्रत्यय से बनने वाला शब्द
9. 'बुरा पुत्र' के लिए 'क' उपसर्ग से बनने वाला शब्द
10. जो तलवार चलाने में कुशल हो

1 द																	
या																	
2 लु	भा	व	3 ना														
			प														
			सं														
			4 द	र	बा	5 री											
						झ											
						6 ना	श	वा	7 न								
									का								
									ब								
									पो								
									8 श	र्म	ना	9 क					
												पू					
												10 त	ल	वा	र	बा	ज़

17. संधि

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) संधि के सभी भेदों व उपभेदों के नाम बताइए।

संधि के तीन भेद होते हैं–

1. स्वर संधि – (i) दीर्घ संधि (ii) गुण संधि (iii) वृद्धि संधि (iv) यण संधि (v) अयादि संधि
2. व्यंजन संधि
3. विसर्ग संधि

(ख) गुण संधि और वृद्धि संधि में अंतर स्पष्ट कीजिए।

गुण संधि के पहले शब्द के अंत में 'अ' या 'आ' तथा दूसरे शब्द के शुरू में 'इ' या 'ई' से मिलकर 'ए' में तथा 'उ' या 'ऊ' से मिलकर 'ओ' में बदल जाते हैं। 'अ' या 'आ' के बाद यदि 'ऋ' आता है, तो वह 'अर्' में बदलता है। जबकि वृद्धि संधि में पहले शब्द का 'अ/आ' दूसरे शब्द के शुरू में आए 'ए' या 'ऐ' से मिलकर 'ऐ' में बदल जाता है तथा 'अ / आ ओ' या 'औ' से मिलने पर 'औ' में बदल जाता है।

(ग) व्यंजन संधि किसे कहते हैं?

संधि करते समय यदि पहले शब्द का अंतिम वर्ण कोई व्यंजन हो और दूसरे शब्द का पहला वर्ण व्यंजन या स्वर हो, तो दोनों के मिलने से जो परिवर्तन आएगा, उसे व्यंजन संधि कहते हैं। जैसे– दिक् + गज = दिग्गज, जगत् + ईश = जगदीश आदि।

(घ) विसर्ग संधि की परिभाषा दीजिए।

पहले शब्द के अंत में विसर्ग (:) आने पर दूसरे शब्द के साथ संधि करते समय विसर्ग में जो परिवर्तन आता है, उसे विसर्ग संधि कहते हैं। जैसे– तपः + बल = तपोबल, निः + रस = नीरस आदि।

2. निम्नलिखित शब्दों में संधि कीजिए।

(क)	नर	+ ईश	=	**नरेश**	(ख)	सर्व	+ उत्तम	=	**सर्वोत्तम**
(ग)	स्व	+ अधीन	=	**स्वाधीन**	(घ)	चंद्र	+ उदय	=	**चंद्रोदय**
(ङ)	परम	+ आत्मा	=	**परमात्मा**	(च)	वीर	+ इंद्र	=	**वीरेंद्र**

(छ) चिकित्सा + आलय = **चिकित्सालय** (ज) गंगा + उदक = **गंगोदक**

(झ) कवि + ईश = **कवीश** (ञ) राज + ऋषि = **राजर्षि**

3. संधि-विच्छेद कीजिए।

(क) एकैक	**एक + एक**	(ख) परीक्षार्थी	**परीक्षा + अर्थी**
(ग) दयानंद	**दया + आनंद**	(घ) परमाणु	**परम + अणु**
(ङ) सदैव	**सदा + एव**	(च) महेंद्र	**महा + इंद्र**
(छ) स्वागत	**सु + आगत**	(ज) जन्मोत्सव	**जन्म + उत्सव**

4. निम्नलिखित शब्दों को उनके संधि भेद के अनुसार अलग-अलग करके लिखिए।

उज्ज्वल	दुष्कर	पवन	कवींद्र	राजर्षि	नायिका
सतीश	मनोहर	गणेश	सद्गति	न्यून	अभिषेक

स्वर संधि – पवन, कवींद्र, राजर्षि, नायिका, सतीश, न्यून, गणेश

व्यंजन संधि – उज्ज्वल, सद्गति, अभिषेक

विसर्ग संधि – दुष्कर, मनोहर

बहुविकल्पी प्रश्न

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) वृद्धि संधि में हो जाता है–

(i) अ/आ का आ ☐ (ii) इ/ई का ए ☐

(iii) अ/आ का ए/ऐ ☑ (iv) ए का अय् ☐

(ख) 'महोत्सव' किस संधि-भेद का उदाहरण है–

(i) गुण ☑ (ii) अयादि ☐

(iii) व्यंजन ☐ (iv) वृद्धि ☐

(ग) व्यंजन संधि का उदाहरण नहीं है–

(i) अनंत ☐ (ii) नीरस ☑

(iii) वाङ्मय ☐ (iv) उच्चारण ☐

(घ) 'पौ + अन' की सही संधि है –

(i) पावन ☐ (ii) पवन ☑ (iii) पाहन ☐ (iv) पौन ☐

रचनात्मक गतिविधि

- **नीचे कुछ शब्द दिए गए हैं। इनमें से प्रत्येक दो शब्दों की संधि हो सकती है। आप उचित मेल वाले दोनों शब्द छाँटिए और उनकी संधि कीजिए।**

अंत	आगत	निः	उत्	पर	कपि	अयन	छेद	वि
चल	आशय	सु	नति	ईश	महा	राम	अति	उपकार

रामायण	अत्यंत	निश्छल
परोपकार	कपीश	महाशय
स्वागत	उन्नति	विच्छेद

- **समझिए और संधि युक्त सही शब्द बनाइए।**

(क) सूर्य + उदय = सूर्योदय
(ख) जल + ओध = जलौध
(ग) ने + अन = नयन
(घ) गै + अक = गायक
(ङ) सात + ऋषि = सप्तर्षि

18. समास

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) समास किसे कहते हैं?

शब्दों को संक्षिप्त करने की प्रक्रिया को समास कहते हैं। एक-दूसरे से संबंध रखने वाले दो या दो से अधिक शब्द अपने संबंधसूचक शब्दों का लोप कर एक शब्द में बदल जाएँ, तो इस प्रक्रिया को समास कहते हैं।

(ख) तत्पपुरुष समास के बारे में तीन प्रमुख बातें लिखिए।

1. तत्पुरुष समास में समस्तपद का उत्तरपद प्रधान होता है।
2. कभी-कभी समस्तपद के बीच योजक चिह्न लगा होता है।
3. समस्त पद का विग्रह करने पर कर्ता कारक और संबोधन कारक को छोड़कर अन्य कारक चिह्न आते हैं।

(ग) बहुब्रीहि और कर्मधारय समास में क्या अंतर है?

कर्मधारय समास में तुलना या विशेषता बताई जाती है जबकि बहुब्रीहि समास में समस्तपद एक विशिष्ट अर्थ लिए हुए होता है। जिसका विग्रह करने पर जो, जिसका, जिसमें आदि का प्रयोग होता है।

(घ) समास विग्रह किसे कहते हैं?

समस्तपद के पदों को अलग-अलग करके लिखना समास विग्रह कहलाता है।

(ङ) संधि और समास में मुख्य अंतर क्या है?

संधि में दो शब्दों के दो वर्णों का मेल होता है जबकि समास में दो शब्दों का मेल होता है।

2. निम्नलिखित शब्द समूहों से समस्तपद बनाइए।

(क)	विद्या के लिए आलय	**विद्यालय**	(ख)	दश आनन का समूह	**दशानन**
(ग)	आप पर बीती	**आपबीती**	(घ)	घोड़े पर सवार	**घुड़सवार**
(ङ)	राजा का भवन	**राजभवन**	(च)	हिम का आलय	**हिमालय**
(छ)	हर एक	**हरएक**	(ज)	हस्त द्वारा लिखित	**हस्तलिखित**

3. समस्तपदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम भी लिखिए।

(क)	हिमालय	**हिम का आलय**	**तत्पुरुष**
(ख)	आजन्म	**जन्म से लेकर**	**अव्ययीभाव**
(ग)	नवरात्रि	**नौ रात्रियों का समूह**	**द्विगु**
(घ)	माखनचोर	**माखन को चुराता है जो अर्थात कृष्ण**	**बहुब्रीहि**
(ङ)	कालीमिर्च	**काली है जो मिर्च**	**कर्मधारय**
(च)	कार्यकुशल	**कार्य में कुशल**	**तत्पुरुष**

4. निम्नलिखित वाक्यों में समस्तपद रेखांकित करके उसके समास का नाम लिखिए।

(क) सभी को यथाशक्ति कार्य करना चाहिए। **अव्ययीभाव समास**

(ख) ज़िंदगी में सुख–दुख तो आते ही रहते हैं। **द्वंद्व समास**

(ग) अतिथि को सादर बैठाइए। **अव्ययीभाव समास**

(घ) रसोईघर में जाओ और खाने के लिए कुछ ले आओ। **कर्मधारय समास**

(ङ) बेमतलब बीच में क्यों बोलते हो। **अव्ययीभाव समास**

5. निम्नलिखित समस्तपदों में उचित समास भेद पहचानिए।

(क) सत्याग्रह – अव्ययीभाव, द्वंद्व, **तत्पुरुष**

(ख) पीतांबर – द्वंद्व, तत्पुरुष, **बहुब्रीहि**

(ग) चतुर्भुज – **द्विगु**, द्वंद्व, बहुब्रीहि

(घ) राम–रहीम – तत्पुरुष, **द्वंद्व**, द्विगु

(ङ) प्रत्येक – **अव्ययीभाव**, तत्पुरुष, कर्मधारय

(च) चक्रधर – तत्पुरुष, **बहुब्रीहि**, द्वंद्व

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) दोनों पद किस समास में प्रधान होते हैं?

(i) कर्मधारय ☐ (ii) द्वंद्व ☑

(iii) द्विगु ☐ (iv) बहुब्रीहि ☐

(ख) तत्पुरुष समास का उदाहरण नहीं है –

(i) देशवासी ☐ (ii) आपबीती ☐

(iii) वचनामृत ☑ (iv) चिड़ीमार ☐

(ग) अव्ययीभाव समास में पूर्वपद होता है –

(i) प्रधान ☐ (ii) अव्यय ☐ (iii) उपसर्ग ☑ (iv) ये सभी ☐

(घ) द्विगु समास की पहचान है पूर्व पद –

(i) संख्यावाची ☑ (ii) योजक चिह्न ☐

(iii) विशेषण ☐ (iv) प्रधान ☐

रचनात्मक गतिविधि

दिए गए समास विग्रह के समस्तपद वर्ग पहेली में ढूँढ़िए।

1. मुरली को धारण किया है जिसने
2. पेट भरकर
3. घन के समान श्याम
4. बिना शक के
5. रसोई के लिए घर
6. जन्म भर
7. वचन रूपी अमृत
8. लंबा है उदर जिसका
9. पाँच मुखों का समाहार
10. कमल के समान कर

9 पं	च	1 मु	खी	4 बे	श	10 क
7 व	6 आ	5 र	सो	ई	3 घ	र
च	ज	ली	अ	ह	न	क
ना	न्म	ध	न	ल	श्या	म
मृ	2 भ	र	पे	ट	म	ल
त	8 लं	बो	द	र	ण	ट

19. वाक्य विचार

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) उद्देश्य और विधेय के विस्तार का अर्थ समझाइए।

वे शब्द जो उद्देश्य के पूर्व जुड़कर उसकी विशेषता बताते हैं, उद्देश्य का विस्तार कहलाते हैं। तथा विधेय की विशेषता बताने वाले शब्द विधेय का विस्तार कहलाते हैं।

(ख) संयुक्त वाक्य और मिश्र वाक्य में अंतर स्पष्ट कीजिए।

जिस वाक्य में दो सरल वाक्य उपवाक्य बनकर, स्वतंत्र रहते हुए, योजक द्वारा जुड़कर एक पूर्ण वाक्य बनाएँ वह संयुक्त वाक्य कहलाता है। जबकि ऐसा वाक्य, जिसमें दो उपवाक्य एक–दूसरे पर आश्रित हो जाएँ, मिश्र वाक्य कहलाता है। इनमें एक वाक्य मुख्य वाक्य तथा दूसरा आश्रित उपवाक्य बन जाता है।

(ग) अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम लिखिए।

अर्थ के आधार पर वाक्य के 8 भेद हैं–

1. विधानवाचक 2. निषेधवाचक 3. आज्ञार्थक 4. प्रश्नवाचक
5. इच्छावाचक 6. संदेहवाचक 7. विस्मयवाचक 8. संकेतवाचक

(घ) निषेधवाचक वाक्य और संदेहवाचक वाक्य में अंतर बताइए।

निषेधवाचक वाक्यों में स्पष्टतः कार्य के नहीं होने का बोध होता है। जैसे– उसने झूठ नहीं बोला। जबकि संदेहवाचक वाक्यों में संदेह प्रकट किया जाता है। जैसे– शायद उसने झूठ नहीं बोला।

(ङ) संकेतवाचक वाक्य किसे कहते हैं?

संकेतवाचक वाक्यों में कार्य का होना किसी दूसरे कार्य पर निर्भर करता है। जैसे– पढ़ोगे तो अवश्य पास हो जाओगे।

2. उद्देश्य और विधेय अलग कीजिए।

(क) मेरी नानी मुझे रोज़ कहानी सुनाती हैं।

उद्देश्य – मेरी नानी **विधेय** – मुझे रोज़ कहानी सुनाती हैं।

(ख) मॉर्डन स्कूल के छात्र मैच जीत गए।

उद्देश्य – मॉर्डन स्कूल के छात्र **विधेय** – मैच जीत गए।

(ग) हरे-भरे पेड़ों को मत काटो।

उद्देश्य – हरे-भरे पेड़ों को **विधेय** – मत काटो।

(घ) मीनाक्षी और संदीप दोनों डॉक्टर हैं।

उद्देश्य – मीनाक्षी और संदीप **विधेय** – दोनों डॉक्टर हैं।

(ङ) बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद!

उद्देश्य – बंदर **विधेय** – क्या जाने अदरक का स्वाद!

(च) कविता कक्षा में प्रथम आई।

उद्देश्य – कविता **विधेय** – कक्षा में प्रथम आई।

3. लिखिए, वाक्य सरल हैं, संयुक्त या मिश्रित।

(क) अच्छी धूप खिली हुई है। **सरल वाक्य**

(ख) मेहमान आए और जमकर बैठ गए। **संयुक्त वाक्य**

(ग) गरिमा और सिद्धांत जुड़वाँ भाई-बहन हैं। **सरल वाक्य**

(घ) यह वही लड़का है, जो प्रथम आया था। **मिश्रित वाक्य**

(ङ) यह वही है जिसने सेठ के पैसे लौटाए थे। **मिश्रित वाक्य**

4. अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद विकल्प में से चुनिए।

(क) जयकरण की लिखाई सुंदर है। (**विधान**, प्रश्न, निषेधवाचक)

(ख) वाह! कितने चतुर हो। (प्रश्न, **विस्मय**, आज्ञावाचक)

(ग) आप कौन-सी कक्षा में पढ़ते हैं? (विस्मय, विधान, **प्रश्नवाचक**)

(घ) ईश्वर चाहेगा तो ऐसा ही होगा। (विस्मय, विधान, **संकेतवाचक**)

(ङ) हम आगरा नहीं जाएँगे। (**निषेध**, प्रश्न, आज्ञावाचक)

5. संकेत के अनुसार वाक्य बदलकर लिखिए।

(क) **डरावनी फ़िल्म देखकर सब डर गए। (संयुक्त)**

डरावनी फ़िल्म देखी और सब डर गए।

(ख) **तुम गए और वह आया। (मिश्रित)**

जैसे ही तुम गए, वैसे ही वह आ गया।

(ग) **जैसे ही बस आई बच्चों ने शोर मचाया। (सरल)**

बस आने पर बच्चों ने शोर मचाया।

(घ) **उस अनपढ़ के लिए काला अक्षर भैंस बराबर है। (संयुक्त)**

वह अनपढ़ है और उसके लिए काला अक्षर भैंस बराबर है।

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) किस वाक्य भेद से कार्य नहीं होने का बोध होता है?

(i) संदेहवाचक	☐	(ii) निषेधवाचक	☑
(iii) संकेतवाचक	☐	(iv) इच्छावाचक	☐

(ख) 'हर्ष ने एक बहुत महँगी विदेशी गाड़ी खरीदी है।'– वाक्य में उद्देश्य है–

(i) हर्ष	☐	(ii) हर्ष ने	☑
(iii) गाड़ी	☐	(iv) एक बहुत	☐

(ग) 'घर कब जाओगे?' वाक्य का प्रकार है–

(i) सरल ☑ (ii) संयुक्त ☐ (iii) मिश्र ☐ (iv) जटिल ☐

(घ) संयुक्त वाक्यों में कौन-सा योजक नहीं आता?

(i) और ☐ (ii) परंतु ☐ (iii) क्योंकि ☑ (iv) इसलिए ☐

रचनात्मक गतिविधि

समझिए और इनके वाक्य लिखिए।

और
- मनु ने जूते पहने **और** दुकान पर चला गया।
- उसने खाना खाया **और** सो गया।

इसलिए
- विपुल बीमार था **इसलिए** विद्यालय नहीं गया।
- उसने मेहनत की **इसलिए** सफल हुआ।

क्योंकि
- छात्रों ने निबंध लिखा **क्योंकि** अध्यापक ने कहा था।
- फसल अच्छी नहीं हुई **क्योंकि** वर्षा नहीं हुई थी।

20. मुहावरे और लोकोक्तियाँ

अभ्यास

1. उचित मुहावरों से रिक्त स्थानों को पूरा कीजिए।

(क) कलाकार के करतब देखकर सबने **दाँतों तले उँगली दबा ली**।

(ख) मैं तो अमित को अच्छा दोस्त समझता था, लेकिन वह तो **आस्तीन का साँप** निकला।

(ग) सोहन आजकल तरक्की पाने के चक्कर में बड़े लोगों के **तलवे चाटता** रहता है।

(घ) राजू बेचारा दिन-रात **कोल्हू के बैल** की तरह लगा रहता है।

(ङ) दिवाकर की ईमानदारी ने पिता के नाम में **चार चाँद लगा** दिए।

2. नीचे दिए गए मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए।

(क) **कमर कसना** – परीक्षा आने से पहले ही विद्यार्थी कमर कस लेते हैं।

(ख) **दिन-रात एक करना** – दिन-रात एक करके सलिल ने घर खरीदने के लिए धन जमा किया।

(ग) **टाँग अड़ाना** – मनीष ने टाँग अड़ा दी वरना मुझे नौकरी मिल गई होती।

(घ) **ईद का चाँद होना** – परीक्षा समाप्त होने के चार माह बाद माधुरी घर से निकली तो सभी बोलने लगे कि अब तो माधुरी ईद का चाँद हो गई है।

(ङ) **चिराग तले अँधेरा** – कुशल का पहचान-पत्र नहीं मिल रहा था। उसने अपनी अलमारी छोड़कर बाकी सब जगह ढूँढ़ा। तब उसकी बहन ने उठाकर दिया और बोली, "भैया इसे ही तो कहते हैं चिराग तले अँधेरा।"

(च) **कौल्हू का बैल** – नरेश दिन-रात कोल्हू के बैल की तरह काम करता रहता है।

3. निम्नलिखित मुहावरों के अर्थ लिखिए।

(क) एक थैली के चट्टे-बट्टे होना – **एक जैसे होना**

(ख) ईंट का जवाब पत्थर से देना – **और अधिक अच्छा जवाब देना**

(ग) आँखों में धूल झोंकना – **धोखा देना**

(घ) अक्ल का दुश्मन – **मूर्ख**

(ङ) नाकों चने चबाना – **बहुत कठिन कार्य करना**

(च) कान पर जूँ न रेंगना – **कुछ असर न होना**

4. मुहावरे-लोकोक्तियों को उनके अर्थ से मिलाइए।

(क) अँगूठा दिखाना	दुख याद आना
(ख) घाव हरे होना	ज़िद पर अड़ जाना
(ग) दूर के ढोल सुहावने	बहुत घमंड होना
(घ) अकड़ जाना	छल-कपट वाला व्यवहार
(ङ) अंगारों से खेलना	खतरा मोल लेना
(च) मुँह में राम बगल में छुरी	मना करना
(छ) दिमाग आसमान पर होना	अनजानी वस्तु आकर्षक लगना

5. निम्नलिखित लोकोक्तियों के अर्थ लिखिए।

(क) मन के हारे हार है, मन के जीते जीत – **मन के मान लेने से ही जीत-हार होती है।**

(ख) आम के आम गुठलियों के दाम – **दोगुना लाभ**

(ग) आगे कुआँ पीछे खाई – **सब तरफ़ से कष्ट आना**

(घ) एक तो करेला ऊपर से नीम चढ़ा – **स्वाभाविक दोष में अन्य दोष**

(ङ) होनहार बिरवान के होत चीकने पात – **होनहार के लक्षण प्रारंभ से ही प्रकट होने लगते हैं।**

बहुविकल्पी प्रश्न

6. उचित विकल्प चुनिए।

(क) 'कमर कसना' मुहावरे का अर्थ है–

(क) मेहनत करना ☐ (ख) तैयार होना ☑

(ग) झगड़ा करना ☐ (घ) सतर्क होना ☐

(ख) लोकोक्ति छाँटिए–

(क) अंत भले का भला ☑ (ख) अंगारों से खेलना ☐

(ग) आस्तीन का साँप ☐ (घ) दाल न गलना ☐

(ग) 'एकमात्र सहारा' अर्थ वाला मुहावरा है –

(क) आँखों का तारा ☐ (ख) अपने पैरों पर खड़ा होना ☐

(ग) कोल्हू का बैल ☐ (घ) अंधे की लाठी ✓

(घ) 'काम शुरू करते ही रुकावट आना' से संबंधित लोकोक्ति है –

(क) टाँग अड़ाना ☐ (ख) अधजल गगरी छलकत जाय ☐

(ग) सिर मुँड़ाते ओले पड़ना ✓ (घ) भूखे भजन न होई गोपाला ☐

रचनात्मक गतिविधि

शरीर के इन अंगों से संबंधित मुहावरे लिखिए।

कान पर जूँ न रेंगना, कान भरना

नाक में दम करना, नाकों चने चबाना

दाँतों तले उँगली दबाना, दाँत काटी दोस्ती

बाल-बाल बचना, बाल की खाल निकालना

21. अपठित गद्यांश तथा काव्यांश

अभ्यास

नीचे दिए गए गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) सुबह के शांत वातावरण में अकसर पार्कों में हँसी की ऊँची आवाज़ें सुनाई देती हैं। पहले लगता था कि कुछ पुराने मित्र मिलकर हँसी-मज़ाक कर रहे हैं, पर कौतुहलवश, ध्यान से देखने पर जाना कि वे सब एक साथ, एक ही तरह ऐसे हँस रहे हैं, जैसे कोई क्लास चल रही हो। पूछने पर पता चला कि वे हास्य क्लब के सदस्य हैं। यह क्या, अब हँसने के लिए क्लब का सहारा लेना पड़ता है? दरअसल, आज के तनावपूर्ण जीवन में लोग हँसना भूल गए हैं। अतिशय दबावों के कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बढ़ती जा रही हैं। इस स्थिति से चिंतित डॉक्टरों, मनोविश्लेषकों आदि ने नुस्खे में हँसी को दवा के तौर पर सुझाना शुरू कर दिया है। नतीजा यह है कि अब सजग लोग इसे अपनाने की होड़ में लगे हैं। रेडियो, टी.वी., पत्र-पत्रिकाएँ, फ़िल्में आदि भी इस दिशा में मदद कर रही हैं। हँसी की ज़रूरत सुर्खियों में होने के कारण उसपर किताबें लिखी जा रही हैं, वर्कशॉप हो रहे हैं। अब यह प्रमाणित हो गया है कि खुशमिज़ाज लोग जीवन में अधिक सफल होते हैं। वे ज़्यादा कमाते हैं। उनके मित्रों की संख्या काफ़ी होती है। वे स्वस्थ रहते हैं और स्वाभाविक है कि अधिक लंबी उम्र जीते हैं। अतः जो सब पाने के लिए इनसान भागदौड़ करता है, हँसी उस दिशा में दवा का काम करती है।

प्रश्न – 1. गद्यांश का मुख्य विषय क्या है?

गद्यांश का मुख्य विषय है – हँसी का हमारे जीवन पर प्रभाव।

2. कौतुहलवश ध्यान से देखने पर लेखक ने क्या जाना?

कौतुहलवश ध्यान से देखने पर लेखक ने जाना कि सब एक साथ, एक ही तरह से हँस रहे हैं जैसे कोई क्लास चल रही हो।

3. हँसी की ज़रूरत के लिए आज समाज में क्या-क्या किया जा रहा है?

हँसी की ज़रूरत सुर्खियों में होने के कारण उस पर किताबें लिखी जा रही हैं, वर्कशॉप हो रहे हैं।

4. जीवन में कौन लोग अधिक सफल होते हैं?

जीवन में खुशमिज़ाज और तनाव मुक्त लोग ज़्यादा सफल होते हैं।

5. **हँसी किस दिशा में दवा का काम करती है?**

जो कुछ भी इनसान पाने के लिए भागदौड़ करता है। हँसी उस दिशा में दवा का काम करती है।

(ख) गुरु का स्थान सबसे ऊँचा तथा महत्त्व सबसे श्रेष्ठ होता है। एक बार की बात है। विश्व विजेता सिंकदर अपने गुरु अरस्तू के साथ समुद्र के रास्ते यात्रा कर रहे थे। अचानक समुद्र में ऊँची लहरे उठने लगीं और उनका जहाज़ डगमगाने लगा। तूफ़ान को तेज़ी से बढ़ता देख नाविक सिकंदर को बचाने की कोशिशें करने लगे। सिकंदर ने उन्हें रोकते हुए कहा, "पहले मेरे गुरु को बचाओ।" थोड़ी देर में तूफ़ान थम गया। अरस्तू ने सिकंदर से पूछा कि उसने संकट के समय स्वयं को बचाने के बजाए मुझे बचाने का आदेश क्यों दिया? सिकंदर ने बड़ी विनम्रता से उत्तर दिया, "गुरु का स्थान सर्वोत्तम है। अगर मैं डूब भी जाता तो कुछ ज़्यादा हानि नहीं होती। आप मुझ जैसे कई सिकंदर तैयार कर सकते थे पर मैं लाख कोशिशों के बाद भी आप जैसा गुरु नहीं बना सकता, इसलिए आपका जीवित रहना अधिक ज़रूरी था।"

प्रश्न – 1. **गुरु का स्थान कहाँ माना गया है?**

गुरु का स्थान सबसे ऊँचा तथा श्रेष्ठ माना गया है।

2. **सिकंदर के गुरु कौन थे?**

सिकंदर के गुरु अरस्तू थे।

3. **यात्रा करते समय क्या घटना घटी?**

यात्रा करते समय अचानक समुद्र में ऊँची लहरें उठने लगीं और जहाज़ डगमगाने लगा।

4. **सिकंदर ने नाविकों को क्या करने के लिए कहा?**

सिकंदर ने नाविकों से अपने गुरु को बचाने के लिए कहा।

5. **सिकंदर ने अरस्तू के प्रश्न का क्या उत्तर दिया?**

सिकंदर ने अरस्तू के प्रश्न का उत्तर दिया, गुरु का स्थान सर्वोत्तम है। अगर में डूब जाता तो कुछ ज्यादा हानि नहीं होती, आप मुझ जैसे कई सिकंदर तैयार कर सकते थे पर मैं लाख कोशिशों के बाद भी आप जैसा गुरु नहीं बना सकता, इसलिए आपका जीवित रहना अधिक ज़रूरी है।

सही विकल्प चुनिए।

(ग) केरल के प्रसिद्ध पर्व ओणम के पीछे एक प्राचीन प्रसंग छिपा है। एक दिन भगवान विष्णु वामन का रूप धारण कर केरल के दानी राजा महाबलि की परीक्षा लेने पहुँचे। उन्होंने महाबलि से तीन पग भूमि देने की प्रार्थना की। महाबलि ने उन्हें भूदान देने के लिए तुरंत हामी भर दी। वामन बने विष्णु ने विराट रूप धारण कर लिया। उन्होंने दो ही पग में धरती, आकाश नाप लिया पर अब तीसरा पग कहाँ रखें! तीसरा पग रखने के लिए महाबलि ने अपना सिर आगे कर दिया। विष्णु ने महाबलि के सिर पर पैर रख दिया जिससे महाबलि पाताल में चले गए परंतु पाताल लोक जाने से पहले उन्होंने विष्णु से प्रार्थना की कि वर्ष में एक बार उन्हें अपनी प्रजा से मिलने का अवसर दिया जाए। आज भी केरल वासी मानते हैं कि ओणम के दिन उनके प्रिय राजा महाबलि उनसे मिलने आते हैं।

प्रश्न 1. ओणम कहाँ मनाया जाता है?

(क) चेन्नई ☐ (ख) केरल ☑

(ग) पंजाब ☐ (घ) आंध्रप्रदेश ☐

प्रश्न 2. विष्णु ने वामन रूप धारण किया था–

(क) असुरों के अंत के लिए ☐

(ख) अपना रूप दिखाने के लिए ☐

(ग) महाबलि की परीक्षा लेने के लिए ☑

(घ) सबको डराने के लिए ☐

प्रश्न 3. विष्णु ने दो पगों में क्या-क्या नाप लिया?

(क) धरती-पाताल ☐ (ख) धरती-आकाश ☑

(ग) केवल धरती ☐ (घ) स्वर्ग लोक ☐

प्रश्न 4. विष्णु ने अपना तीसरा पग रखा–

(क) स्वर्ग में ☐ (ख) नरक में ☐

(ग) महाबलि के सिर पर ☑ (घ) पाताल में ☐

प्रश्न 5. महाबलि ने विष्णु से क्या माँगा?

(क) अपनी प्रजा से मिलने का अवसर ☑

(ख) माफ़ी ☐

(ग) अपना राज्य ☐

(घ) स्वर्ग का अधिकार ☐

निम्नलिखित काव्यांशों के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) पढ़ना-लिखना बोझ नहीं है,
हमने यह पहचान लिया।
धरती, अंबर, नदियाँ, झरने,
सब अपने हैं जान लिया।
ओस की बूँदें, सुबह की लाली
फूलों का हौले-से खिलना
इंद्रधनुष के रंग बिखरना
सागर में लहरों का उठना
दरियाओं का बहते जाना
मिट्टी से अंकुर का उगना
अंकुर से जंगल बन जाना
इनका आपस में रिश्ता है
हमने यह पहचान लिया।

प्रश्न – 1. प्रस्तुत काव्यांश में पढ़ने-लिखने के विषय में क्या कहा गया है?

प्रस्तुत कवितांश में कहा गया है कि पढ़ना-लिखना बोझ नहीं है।

2. अंकुर से जंगल कैसे बन जाता है? स्पष्ट कीजिए।

धरती यानी मिट्टी में हम बीज डालते हैं। इन्हीं बीजों में से अंकुर फूटते हैं और मिट्टी से बाहर निकलते हैं, फिर पौधे बनते हैं। यही पौधे धीरे-धीरे पेड़ का रूप ले लेते हैं और एक जंगल का निर्माण करते हैं।

3. यहाँ किसके संबंध में कहा गया है कि वे अपने हैं?

धरती, अंबर, नदियाँ, झरने को अपना कहा गया है।

4. धरती, अंबर और नदी के लिए दो-दो पर्यायवाची शब्द दीजिए।

धरती – धरा, वसुंधरा   अंबर – आकाश, गगन   नदी – सरिता, तटिनी

5. इस काव्यांश के लिए उचित शीर्षक दीजिए।

शीर्षक – 'प्रकृति से प्रेम'

(ख) फ़सलें हमारे पुण्य की देती हैं गवाही,
भारत हमारा देश है, हम उसके सिपाही,
हमने किया है विश्व में करुणा का संप्रसार
तूफ़ानों में खेते हुए हम जाएँगे उस पार!
हर मित्र जानता है मधुर प्यार हमारा,
हर शत्रु जानता है खरा वार हमारा,
हमने क्षमा की भीख लुटाई है बार-बार,
तूफ़ानों में खेते हुए हम जाएँगे उस पार!

प्रश्न – 1. फ़सलें यहाँ किसकी गवाही देती हैं?

फ़सलें हमारे पुण्य की गवाही देती हैं।

2. हम भारतीयों ने विश्व में किसका प्रसार किया है?

भारतीयों ने विश्व में करुणा का प्रसार किया है।

3. भारत के लोग मित्र और शत्रु के प्रति कैसा व्यवहार करते रहे हैं?

भारत के लोग मित्र के साथ मधुर प्यार का और शत्रु के साथ खरे वार का व्यवहार करते रहे हैं।

4. भारत के लोगों ने किस तरह की भीख लुटाई है?

भारत के लोगों ने क्षमा की भीख लुटाई है।

5. मित्र और शत्रु का व्याकरण की दृष्टि से क्या संबंध है?

मित्र और शत्रु व्याकरण की दृष्टि से विलोम शब्द हैं।

सही विकल्प चुनिए।

(ग) काहे सुबक रही है बिटिया
बैठी यहाँ अकेले में
चल, कंधे पर बिठला कर मैं
खूब घुमा दूँ मेले में
फिरकी पर बैठे फिरकी-से
खूब छमाछम नाचेंगे
झूले पर चढ़ आज गगन की
ऊँचाई को जाँचेंगे
'आज' तुम्हारे लिए सुरक्षित
है, इतना विश्वास करो
कल तक तो मैं फँसा हुआ था
जाने कौन झमेले में
कपड़े की गुड़िया लेंगे हम
लेंगे बर्फ़ी का दौना

चाबी की मोटर भी लेंगे
लेंगे चितकबरा छौना
वह तो है शैतान बड़ा

मुनुआ को हम साथ न लेंगे
उसे रवाना कर देंगे हम
बिठला कर के ठेले में

प्रश्न – 1. बिटिया कहाँ बैठी है?

(क) मेले में ☐ (ख) अकेले में ✓

(ग) घर के लोगों के बीच ☐ (घ) छत पर ☐

2. झूले पर चढ़कर क्या नापने की बात यहाँ की गई है?

(क) गगन की ऊँचाई ✓ (ख) घर की ऊँचाई ☐

(ग) झूले की ऊँचाई ☐ (घ) रस्सी की लंबाई ☐

3. कवि का 'आज' किसके लिए सुरक्षित है?

(क) स्वयं के लिए ☐ (ख) मस्ती के लिए ☐

(ग) बिटिया के लिए ✓ (घ) पत्नी के लिए ☐

4. मुनुआ को कैसा बताया गया है?

(क) प्यारा ☐ (ख) शैतान ☐

(ग) बड़ा शैतान ✓ (घ) बुद्धिमान ☐

5. कल तक कवि किसमें फँसा हुआ था?

(क) मेले में ☐ (ख) मित्रों के बीच ☐

(ग) झमेले में ✓ (घ) कविता लिखने में ☐